SUNRISE BOOKS™

NEP 2020 ALIGNED

रिमझिम

हिंदी पाठ्यपुस्तक

Alpana Jha
B.A., M.A. (Hindi)

2

प्रकाशन:

सनराईज बुक्स

पता : 1231, 12वीं मंजिल, गौर सिटी मॉल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट (यू.पी.)

प्रथम संस्करण: 2024

सर्वाधिकार : प्रकाशन

आभार

इस पुस्तक में प्रयुक्त किए गए उत्पाद एवं उत्पाद नाम अपने स्वामियों के ट्रेडमार्क, ट्रेड नाम तथा पंजीकृत ट्रेडमार्क हैं।

प्रस्तुत पुस्तक को त्रुटिहीन करने का यथासंभव प्रयास किया गया है, फिर भी संयोगवश इसमें कोई कमी या त्रुटि छूट जाती है। छूटी हुई कोई भी त्रुटि, अशुद्धि अथवा असंगति हमारे संज्ञान में लाई जाने पर आगामी संस्करण में अवश्य ही संशोधित कर दी जाएगी। इससे पूर्व इससे कारित, किसी भी व्यक्ति को होने वाली, किसी भी प्रकार की क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक अथवा मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा।

प्रिंटिंग : पारस पब्लिकेशन प्रा. लि.

प्रस्तावना

रिमझिम हिन्दी पाठ्यपुस्तक पुस्तक शृंखला (कक्षा 1 से 8) छात्रों को हिन्दी में पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने के कौशल विकसित करने में मदद करती है। पुस्तक की यह शृंखला नई शिक्षा नीति (NEP) 2019 के अनुसार विकसित की गई है। इस पुस्तक में कहानियाँ, कवितायें और वार्तालाप जैसे कई विषय शामिल किए गए हैं। इसमें अवधारणाओं को आसान भाषा में समझाया गया है और सीखने को मजबूत और रोचक बनाने के लिए कई उदाहरण और अभ्यास दिये गये हैं। पुस्तक को अधिक आकर्षक एवं सरल बनाने के लिए रंगीन चित्रों का समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पुस्तक की भाषा को प्रवाहपूर्ण, स्वाभाविक, सहज तथा बोधगम्य बनाने के लिए प्रत्येक अध्याय में अभ्यास के साथ व्याकरण का समावेश किया गया है।

हमें इस बात की पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शृंखला विद्यार्थियों के भाषा–ज्ञान को विकसित करने में अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए विद्वान शिक्षकगण के सुझावों का सहर्ष स्वागत है।

–प्रकाशक

विषय सूची

पाठ सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ सं.
1.	सूरज जल्दी आना	5
2.	समझदार मुर्गा	12
3.	आपसी झगड़ा	19
4.	संतुलित भोजन	27
5.	सीखो	35
6.	मित्रता	41
	रानी लक्ष्मीबाई (मौखिक पठन)	48
7.	हंस किसका	49
8.	सान्वी की योग-शिक्षा	57
9.	तितली और कली	64
10.	मीठी बोली	70
11.	दाँतों की स्वच्छता	77
12.	दो बिल्लियाँ	84
	बंदर की गलती (मौखिक पठन)	94
13.	आँख-मिचौनी	96

पाठ 1

सूरज जल्दी आना जी

पाठ का उद्देश्य

बच्चों को सूरज का महत्व बताना:- सूरज रोज़ाना हमारी धरती पर धूप और गरमी लेकर उत्पन्न होता है। उसकी रोशनी में हम बहुत सारे काम करते हैं। फसल पकने के लिए भी धूप की ज़रूरत होती है। सरदी के मौसम में तो धूप हमारे लिए बहुत आवश्यक है।

जीवन मूल्य

सूरज के बिना धरती पर जीवन नहीं। सूरज अरबों वर्षों से हमारी ग्रह पृथ्वी को ऊर्जा और प्रकाश दे रहा है।

एक कटोरी, भरकर गोरी,
धूप हमें भी लाना जी।
सूरज जल्दी आना जी।

जमकर बैठा, यहाँ कुहासा,
आर-पार न दिखता है।
ऐसे भी क्या कभी किसी के,
घर में कोई टिकता है?
सच-सच जरा बताना जी,
सूरज जल्दी आना जी।

कल की बारिश में जो भीगे,
कपड़े अब तक गीले हैं।
क्या दीवारें, क्या दरवाज़े,
सब के सब ही सीले हैं।

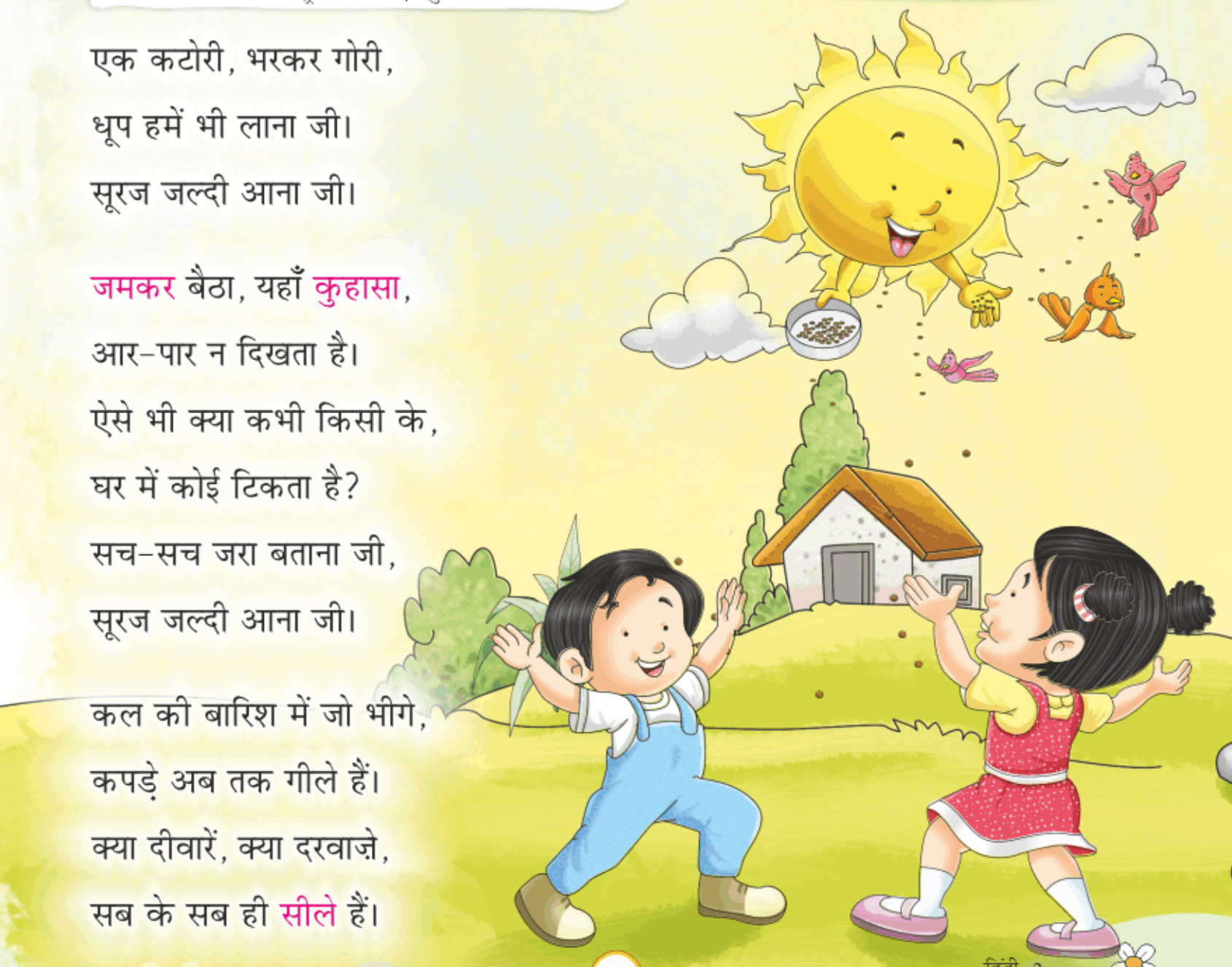

छोड़ो आज बहाना जी,

ना-ना-, ना-ना, ना-ना जी।

सूरज जल्दी आना जी।

जरूरी बात/सीख- सूरज हमारे लिए बहुत उपयोगी है। हमें भी अच्छे कार्य करके संसार में अपनी उपयोगिता दर्शानी चाहिए।

शिक्षण संकेत- कविता का सस्वर वाचन करवाएँ व भावार्थ समझाएँ।

शब्दार्थ

जमकर	–	स्थिर होना	कुहासा	–	कोहरा, धुंध
टिकता	–	रुकता	सीले	–	नमी से भरे
बहाना	–	टाल-मटोल करना			

श्रुतलेख शिक्षक कविता में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. बच्चे किसे जल्दी आने के लिए कह रहे हैं?
2. बारिश में क्या-क्या भीग गया है?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. बच्चे सूरज को जल्दी आने को क्यों कह रहे हैं?

2. बच्चे आर-पार किस कारण नहीं देख पा रहे हैं?

_____

3. बरसात के कारण कपड़ों, दीवारों और दरवाज़ों को क्या हो गया है?

_____

4. बच्चे ने इस कविता में क्या इच्छा व्यक्त की है?

_____

_____

ख. कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी कीजिए -

1. जमकर बैठा, _____ _____,

   आप-पार _____।

   _____ कभी किसी के,

   _____ टिकता है?

2. कल की बारिश _____,

   कपड़े अब तक _____।

ग. सही विकल्प पर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी प्रश्न

1. बच्चे कटोरी में क्या माँग रहे है?

   (i) दूध ◯ (ii) पानी ◯ (iii) धूप ◯

2. घर में कौन बैठा है?

   (i) मामा जी ◯ (ii) कुहासा ◯ (iii) कुत्ता ◯

3. बच्चे बहाना छोड़ने के लिए किसे कह रहे हैं?

   (i) धूप से ◯ (ii) माँ से ◯ (iii) सूरज से ◯

शब्दों की दुनिया

क. समझिए और लिखिए-

1. कपड़ा कपड़े
2. कटोरी _____
3. गीला _____
4. दीवार _____
5. दरवाज़ा _____
6. बहाना _____

ख. मिलते-जुलते शब्द लिखिए-

1. आना _____ गाना
2. जल्दी _____
3. अब _____
4. यहाँ _____
5. गोरी _____
6. कल _____

भाषा की बात

क. सभी मात्राओं से बने दो-दो शब्द लिखिए-

1.	आ ा	इ ि	ई ी	उ ु	ऊ ू	ऋ ृ
	आम					
	काम					

2.	ए े	ऐ ै	ओ ो	औ ौ	अं ं	अँ ः

ख.

- ❖ जिन शब्दों से स्त्री जाति का पता चले, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं।
- ❖ जिन शब्दों से पुरुष जाति का पता चले, वे पुल्लिंग कहलाते हैं।

निम्नलिखित पुल्लिग और स्त्रीलिंग शब्दों के जोड़े बनाइए और लिखिए–

1.	दादा	पिता	_____
2.	चाचा	बुढ़िया	_____
3.	बूढ़ा	दादी	_____
4.	बेटा	नौकरानी	_____
5.	माँ	चाची	_____
6.	नौकर	बेटी	_____

ग. कुछ शब्दों का अर्थ उलटा होता है। इन्हें ही उलटा अर्थ बताने वाले शब्द या विपरीत शब्द कहते हैं।

निम्नलिखित शब्दों के उलटे अर्थ बादल में छिप गए हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए–

जवान, उठना, झूठ, छाँव, सूखा, खाली

1. भरा – खाली
2. बैठना – _____
3. गीला – _____
4. धूप – _____
5. सच – _____
6. बूढ़ा – _____

कुछ नया कीजिए

चिंतन-कौशल

क. सूरज अगर न आए तो क्या होगा? पाँच वाक्य लिखिए–

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____

ख. प्रकृति द्वारा बनाई गई पाँच वस्तुओं के नाम लिखिए-

_____ _____ _____

_____ _____

ग. 'सूरज जल्दी आना जी' कविता के अतिरिक्त 'सूरज' पर कोई अन्य कविता लय में कक्षा में सुनाइए। वाचन-कौशल

घ. रंगीन कागजों के टुकड़े फाड़िए और सूरज के चित्र में चिपकाइए- गतिविधि

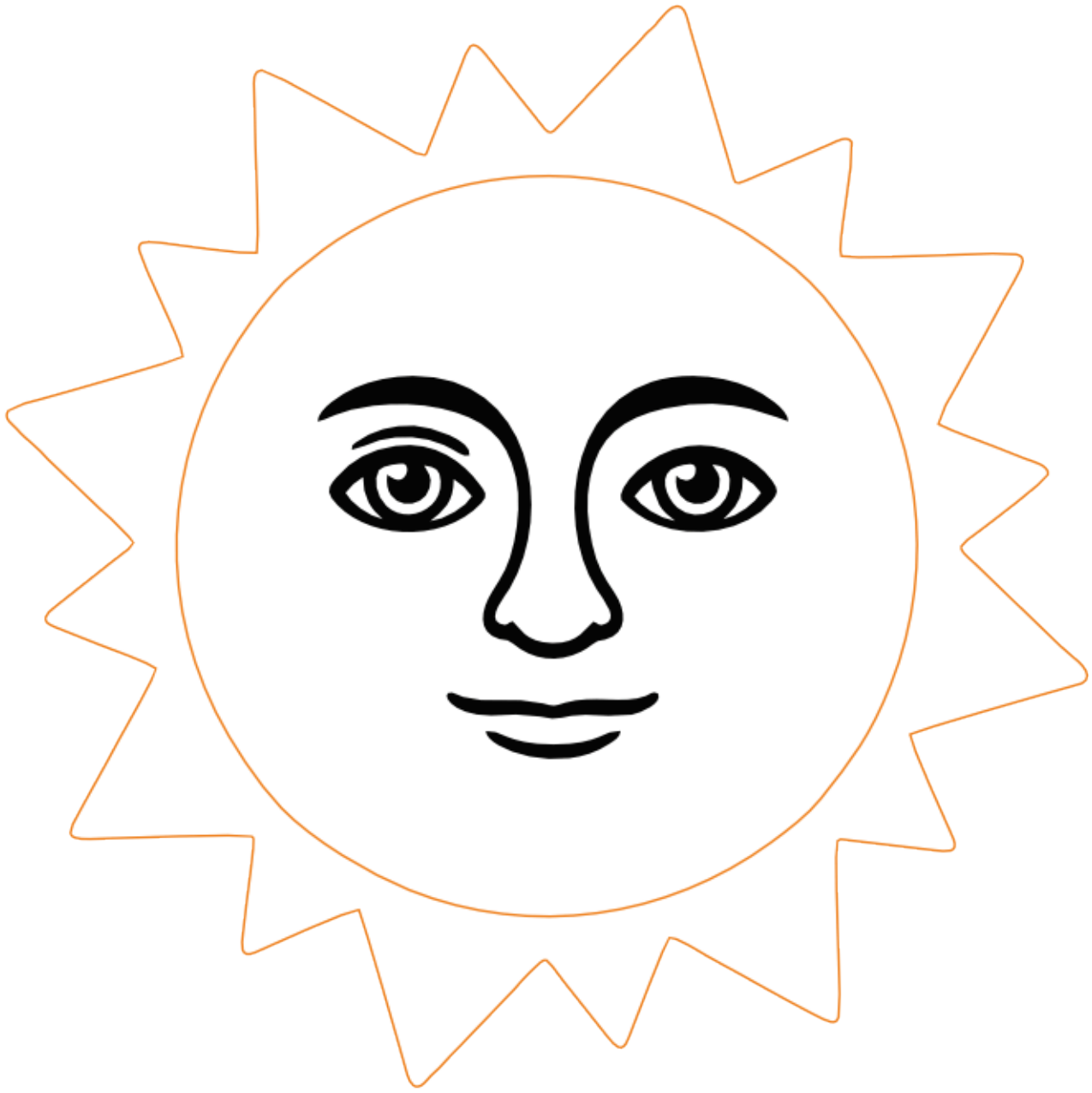

कला–समेकन

आइए रंग भरिए–

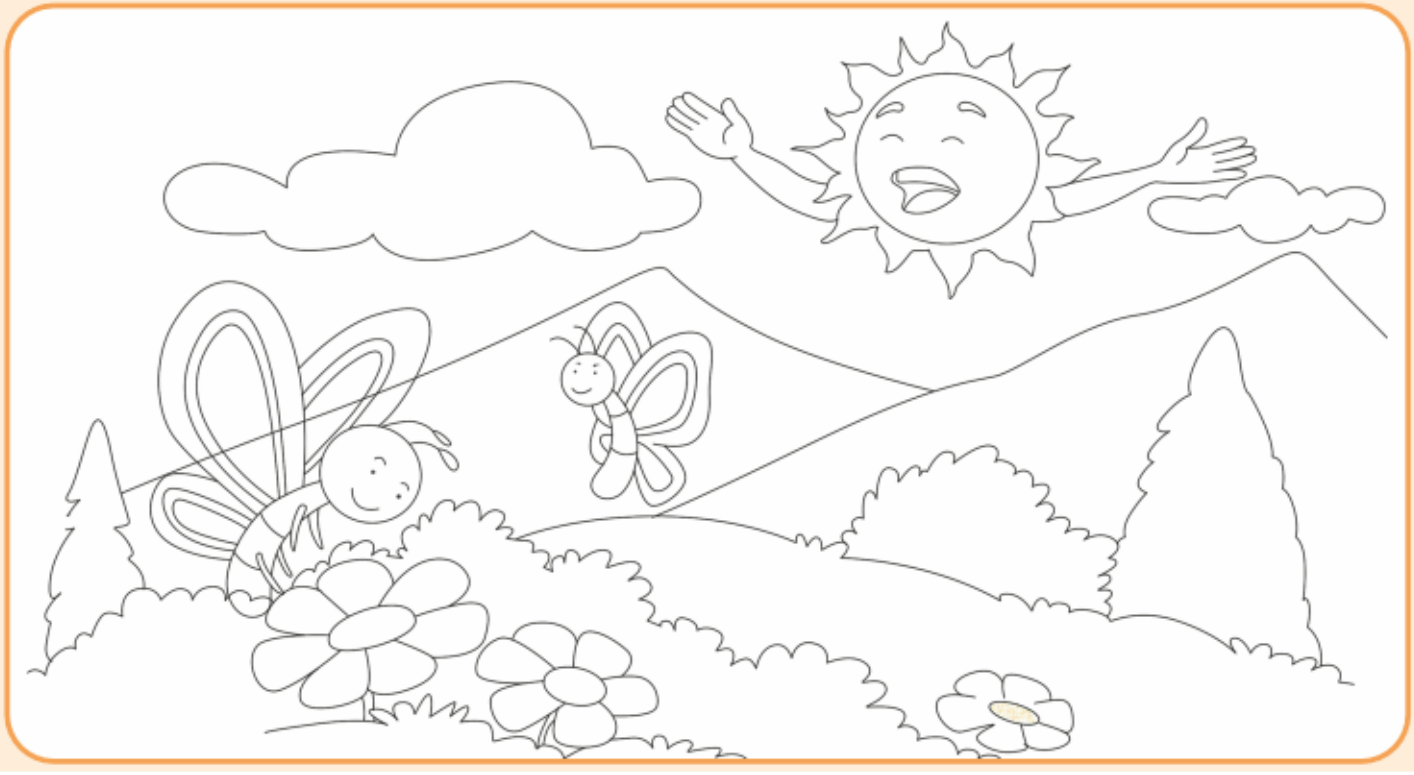

विज्ञान से जुड़े

विषय–एकीकरण

विचित्र किंतु सत्य

अकसर लोग कहते हैं– सूर्योदय हो गया, सूर्यास्त हो गया। क्या ऐसा होता है? नहीं। सूरज अपनी जगह पर ही रहता है। पृथ्वी सूरज के चारों ओर चक्कर लगाती है जिससे सूर्योदय और सूर्यास्त होता है। इस संबंध में अपनी विज्ञान की शिक्षिका / शिक्षक जी से जानकारी प्राप्त कीजिए और इस जानकारी को अपने भाई–बहन में बाँटिए।

पाठ 2

समझदार मुर्गा

पाठ का उद्देश्य

पशु-पक्षियों के द्वारा बच्चों को बताना कि कुछ पशु-पक्षी बहुत चालाक होते हैं, तो कुछ भोले-भाले होते हैं। मुश्किल वक्त में अपनी सूझबूझ का प्रयोग करके जो छुटकारा पा लेते हैं, वही समझदार कहलाते हैं।

जीवन मूल्य

पशु-पक्षियों के अनुसार धैर्य और सूझबूझ से काम लेना तथा बिना घबराए हर परिस्थिति का मुकाबला करना।

एक समय की बात है। एक लोमड़ी गाँव के रास्ते से जा रही थी। अचानक उसकी नज़र पेड़ की डाल पर बैठे एक मुर्गे पर पड़ी। उसने मुर्गे से पूछा- "तुम डाल पर क्या कर रहे हो?" मुर्गे को तो ज़मीन पर चलते-फिरते रहना चाहिए। आओ, नीचे उतर आओ।

मुर्गे ने कहा - मैं खूँखार जानवरों के डर से यहाँ बैठा हूँ।

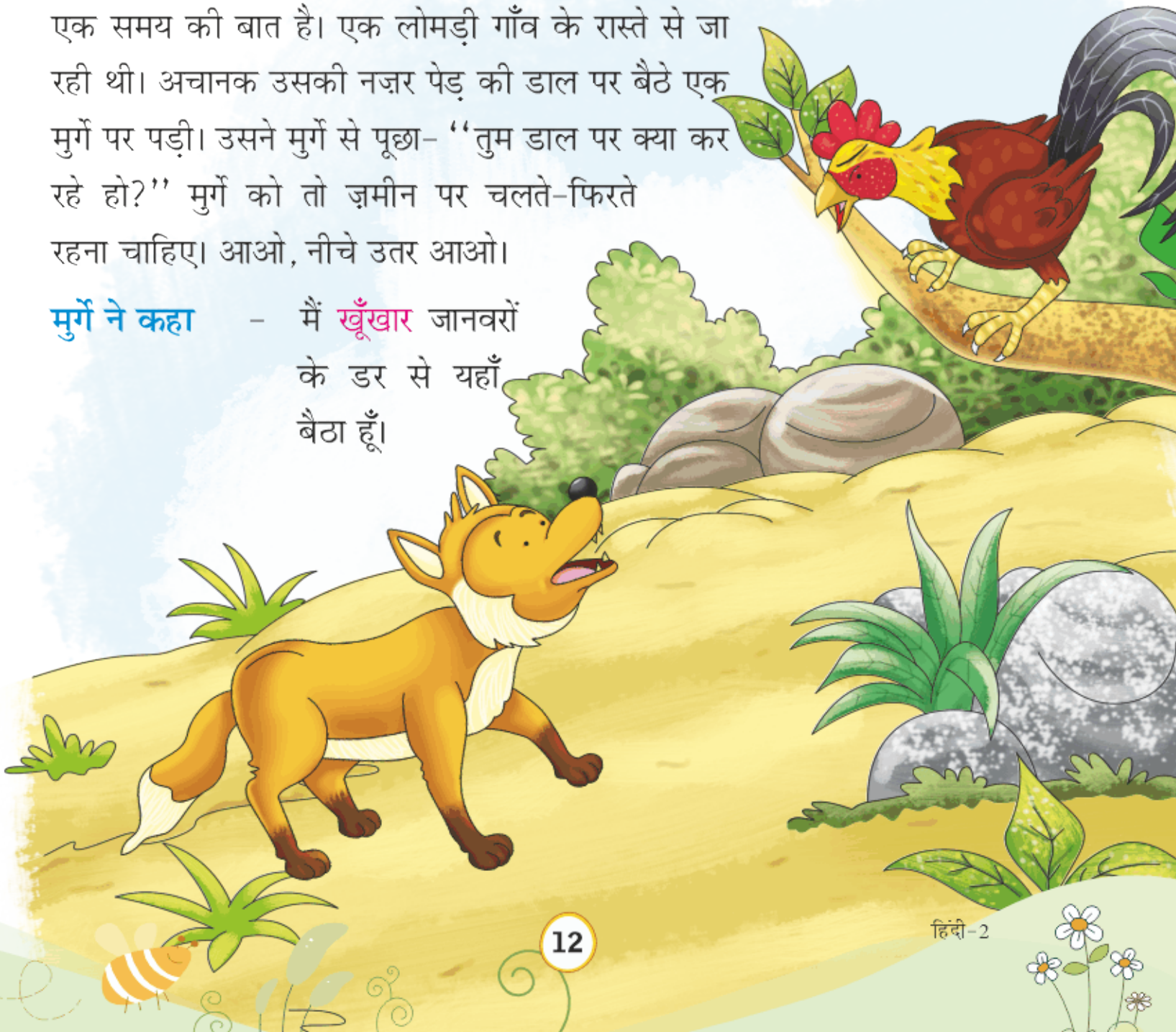

लोमड़ी बोली – अरे, क्या आज का सबसे बड़ा समाचार तुमने नहीं सुना? सभी पशु-पक्षियों में समझौता हो गया है। अब कोई भी किसी पर हमला नहीं करेगा।

मुर्गे ने कहा – यह तो बड़ा अच्छा समाचार है! यह कहते-कहते उसने अपनी गरदन उठाकर देखा- मानो दूर की कोई चीज़ देख रहा हो।

लोमड़ी बोली – क्या देख रहे हो?

मुर्गा बोला – कुछ नहीं, कुछ नहीं। पता नहीं क्यों कुछ भयानक शिकारी कुत्ते तेज़ी से इस ओर दौड़े चले आ रहे हैं!

लोमड़ी (घबराकर) – ऐसी बात है? अच्छा! क्षमा करना मित्र, मैं चली!

मुर्गा बोला – अरे! तुम घबरा क्यों गईं? तुम्हें क्या डर है? पशु-पक्षियों में तो समझौता हो गया है न!

लोमड़ी बोली – सच है, परंतु लगता है कुत्तों ने अभी तक यह समाचार नहीं सुना है।

इस प्रकार अपनी सूझबूझ से मुर्गे ने लोमड़ी से अपनी रक्षा की।

-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

शब्दार्थ

खूँखार	–	डरावना	समाचार	–	खबर		
समझौता	–	सुलह, मेल	हमला	–	आक्रमण		
क्षमा करना	–	माफ़ करना	सूझबूझ	–	समझदारी	रक्षा	– बचाव

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. लोमड़ी की नज़र किस पर पड़ी?
2. लोमड़ी ने मुर्गे से क्या कहा?
3. मुर्गा अपनी गरदन उठाकर क्या कर रहा था?
4. लोमड़ी घबराकर क्यों भाग गई?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. लोमड़ी कहाँ से जा रही थी?

   _____

2. लोमड़ी की बात सुनकर मुर्गे ने उसे क्या जवाब दिया?

   _____

3. मुर्गे ने लोमड़ी से क्या कहा?

   _____

4. लोमड़ी क्यों घबरा गई?

_____

5. लोमड़ी ने भागने से पहले क्या कहा?

_____

ख. सही विकल्प पर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. लोमड़ी किस रास्ते से जा रही थी?

(i) गाँव के ◯ (ii) शहर के ◯ (iii) कस्बे के ◯

2. लोमड़ी को पेड़ की डाल पर कौन बैठा दिखाई दिया?

(i) बंदर ◯ (ii) मुर्गा ◯ (iii) मोर ◯

3. मुर्गे ने लोमड़ी को किसके आने के बारे में बताया?

(i) शिकारियों के ◯ (ii) शिकारी कुत्तों के ◯ (iii) शेर के ◯

4. लोमड़ी वहाँ से क्यों भाग गई?

(i) शेर के डर से ◯ (ii) बंदरों के डर से ◯

(iii) शिकारी कुत्तों के डर से ◯

ग. किसने कहा? लिखिए-

	वाक्य	किसने कहा?
1.	''तुम डाल पर क्या कर रहे हो?''	_____
2.	''सभी पशु-पक्षियों में समझौता हो गया है।''	_____
3.	''यह तो बड़ा अच्छा समाचार है!''	_____
4.	''शिकारी कुत्ते तेज़ी में इस ओर दौड़े चले आ रहे हैं।''	_____
5.	''ऐसी बात है? अच्छा!''	_____

शब्दों की दुनिया

क. तुकांत शब्द लिखिए –

1. बात – रात
2. डाल – _____
3. बड़ा – _____
4. देखा – _____
5. आना – _____
6. गाना – _____

ख. पाठ में आए आ (ा), ई (ी), ओ (ो) और औ (ौ) की मात्रा वाले दो-दो शब्द छाँटकर लिखिए-

मात्रा-ज्ञान

आ (ा)	ई (ी)	ओ (ो)	औ (ौ)
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

भाषा की बात

पर्यायवाची शब्द

क. पढ़िए, समझिए और याद कीजिए-

1. डाल – शाखा, टहनी
2. रास्ता – राह, मार्ग
3. पक्षी – खग, चिड़िया
4. डर – खौफ़, भय
5. अचानक – सहसा, एकाएक
6. रक्षा – बचाव, सुरक्षा

ख. एकवचन – एक संख्या की जानकारी देने वाले शब्द एकवचन कहलाते हैं।

बहुवचन – एक से अधिक संख्या की जानकारी देने वाले शब्द बहुवचन कहलाते हैं।

दिए गए शब्दों के बहुवचन बनाइए-

1. रास्ता – रास्ते
2. मुर्गा – _____
3. डाली – _____
4. लोमड़ी – _____
5. चीज़ – _____
6. कुत्ता – _____

ग. उदाहरण के अनुसार शब्दों के जोड़े बनाइए-

बैठते, कूदते, लिखते, फिरते, जागते

1. आते - जाते
2. उठते - _____
3. पढ़ते - _____
4. सोते - _____
5. चलते - _____
6. उछलते - _____

घ. खाने में दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए-

अरे! पर ने से के की को

1. लोमड़ी _____ मुर्गे _____ पेड़ _____ एक डाल पर देखा।
2. लोमड़ी ने मुर्गे को ज़मीन _____ चलने के लिए कहा।
3. शिकारी कुत्तों _____ डर _____ वह भाग खड़ी हुई।
4. _____ कुत्ते तो इधर ही आ रहे हैं।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

चिंतन-कौशल

1. पाठ के आधार पर पाँच वाक्यों में बताइए कि मुर्गा अधिक होशियार था या लोमड़ी?

2. पशु-पक्षियों की बोलियाँ लिखिए-

1. मुर्गा - _____
2. बंदर - _____
3. चिड़िया - _____
4. तोता - _____
5. मेढक - _____
6. बिल्ली - _____
7. कुत्ता - _____
8. कौआ - _____

3. मुर्गे का चित्र पूरा करके उसमें रंग भरिए-

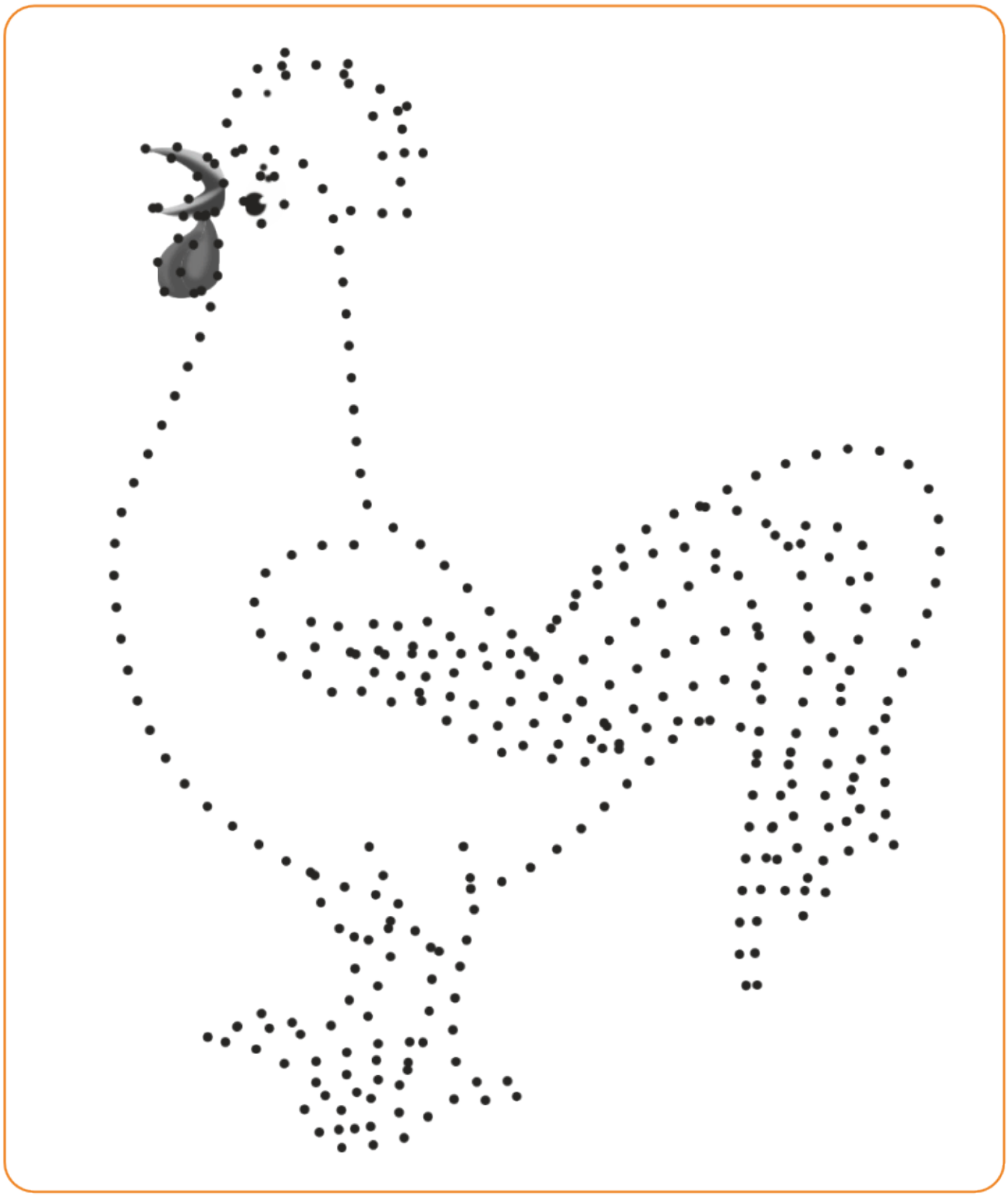

पाठ 3

आपसी झगड़ा

पाठ का उद्देश्य

भाषा और स्वर के उतार-चढ़ाव, शारीरिक गतिविधि, हाव-भाव आदि से मनुष्य और जंतुओं का स्वभाव एक ही जैसा है। वे आपसी मेल-मिलाप को छोड़कर क्रूरता पर उतर आते हैं।

जीवन मूल्य

बच्चों को बताइए कि लड़ने-झगड़ने से सदैव हानि होती है। हमें कभी लड़ना-झगड़ना नहीं चाहिए।

एक जंगल में सभी जीव-जंतु मिल-जुलकर रहते थे। एक-दिन चींटी और मच्छर आपस में लड़ने लगे। चींटी बोली-''मच्छर भाई! मैं तुमसे ज़्यादा ताकतवर हूँ। मैं जंगल के राजा शेर और हाथी जैसे बलशाली जानवर को भी परेशान कर सकती हूँ।''

यह सुनकर मच्छर खूब ज़ोर से हँसा। फिर बोला-''चींटी बहन! मैं तो इंसान तक का खून चूस लेता हूँ। मैं तुम से बड़ा हूँ।

चींटी मुसकराई। फिर बोली-''मैं तो अपने से छह गुना अधिक वज़न उठा लेती हूँ।'' मच्छर गुस्से से बोला-''चींटी! क्या तुम नहीं जानती कि जब मैं इंसान को काटता हूँ तो उसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे रोग हो जाते हैं।'' तभी वहाँ एक गौरैया आ गई। वह पेड़ पर बैठकर उनकी सब बातें चुपचाप सुन रही थी। गौरैया ने दोनों को

समझाते हुए कहा–"देखो, तुममें से कोई छोटा या बड़ा नहीं है।

हम सभी जीव-जंतु एक-दूसरे पर निर्भर हैं। हर छोटी और बड़ी चीज़ का अपना महत्व होता है।"

चींटी और मच्छर गौरैया की बात सुनकर हैरान हो गए। वे दोनों बोले–"गौरैया बहन! हमें सारी बात समझाओ न!"

गौरैया मुसकराते हुए बोली–" जानते हो, एक बलवान हाथी बड़े से बड़ा पेड़ तो उखाड़ सकता है परंतु एक बिल नहीं खोद सकता। इसलिए हर जीव का अपना महत्व होता है। आपस में लड़ने से किसी का भला नहीं होता, हमेशा हानि ही होती है।"

गौरैया की बात सुनकर चींटी और मच्छर एक साथ बोले–"हाँ गौरैया बहन! तुम बिलकुल ठीक कह रही हो। अब हम कभी नहीं लड़ेंगे।"

जरूरी सीख– आपसी झगड़े से मन अशांत रहता है, इसलिए शांत मन से हर समस्या का हल निकाला जा सकता है।

शब्दार्थ

ज़्यादा	– अधिक	ताकतवर	– बलशाली	परेशान	– दुखी
वज़न	– भार	इंसान	– मनुष्य	निर्भर	– आश्रित
हानि	– नुकसान				

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। **श्रवण-कौशल**

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. चींटी और मच्छर आपस में क्यों लड़ रहे थे?
2. मच्छर क्या करता है?
3. चींटी कितना वज़न उठा सकती है?
4. पेड़ पर कौन बैठा था?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. चींटी किन्हें परेशान कर सकती है?

   _____

2. मच्छर के काटने से कौन-कौन से रोग हो सकते हैं?

   _____

3. गौरैया ने चींटी और मच्छर को क्या समझाया?

   _____

4. आपस में लड़ने से क्या होता है?

   _____

5. हाथी कैसा होता है और वह क्या नहीं कर सकता?

   _____

6. चीटीं और मच्छर ने गौरैया को क्या वचन दिया?

   _____

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

गौरैया
निर्भर
भला
हानि
महत्व
मच्छर
जीव-जंतु
चींटी

1. एक जंगल में सभी _____ मिल-जुलकर रहते थे।
2. एक दिन _____ और _____ आपस में लड़ने लगे।
3. तभी वहाँ पर एक _____ आ गई।
4. हम सभी जीव-जंतु एक-दूसरे पर _____ हैं।
5. आपस में लड़ने से किसी का _____ नहीं होता।

ग. वाक्य किसने, किससे कहे? बताइए-

		किसने कहे?	किससे कहे?
1.	''मैं तुमसे ज़्यादा ताकतवर हूँ।''	_____	_____
2.	''मैं तो इंसान का खून चूस लेता हूँ।''	_____	_____
3.	''मैं तो अपने से छह गुना अधिक वज़न उठा लेती हूँ।''	_____	_____
4.	तुम में से कोई छोटा या बड़ा नहीं।''	_____	_____
5.	हमें सारी बात समझाओ न!''	_____	_____

घ. सही विकल्प चुनकर उसके सामने ठीक (✓) का निशान लगाइए- बहुविकल्पी-प्रश्न

1. जंगल में कौन मिल-जुलकर रहते थे?

   (i) भालू ◯ (ii) जीव-जंतु ◯ (iii) सारे मच्छर ◯

2. आपस में कौन-कौन झगड़ने लगा?

   (i) कौआ और लोमड़ी ◯ (ii) चींटी और मच्छर ◯ (iii) गौरैया और मच्छर ◯

3. उन दोनों की बातें कौन सुन रहा था?

   (i) गौरैया ◯ (ii) हाथी ◯ (iii) भालू ◯

4. आपस में लड़ने से क्या होता है?

(i) लाभ (ii) फायदा (iii) हानि

शब्दों की दुनिया

क. दिए गए व्यंजनों और वर्णों की मात्राओं को जोड़कर शब्द बनाइए–

1. त + ा + क + त + व + र = ताकतवर
2. म + ल + े + र + ि + य + ा = _____
3. च + ु + प + च + ा + प = _____
4. ग + ै + र + ै + य + ा = _____
5. प + र + े + श + ा + न = _____
6. ब + ल + श + ा + ल + ी = _____

ख. समान क्रिया वाले शब्दों के जोड़े बनाइए और लिखिए–

1.	रोना	मँगाना	रोना	रुलाना
2.	जागना	हँसाना	_____	_____
3.	हँसना	उड़ाना	_____	_____
4.	उड़ना	खिलाना	_____	_____
5.	खेलना	जगाना	_____	_____
6.	माँगना	रुलाना	_____	_____

भाषा की बात

समझो और सीखो

क. अंतर समझिए–

1. ओर – तरफ
   और – तथा
2. दिन – दिवस
   दीन – गरीब

3. समान – बराबर 4. बिन – रहित

सामान – वस्तुएँ बीन – एक वाद्य यंत्र, बजाने की वस्तु

(आपने देखा कि मात्राओं का कितना महत्व है। मात्राओं का स्थान बदल जाने से शब्दों के अर्थ भी बदल जाते हैं।

ख. लिंग बदलिए-

1. शेर – शेरनी 2. चूहा – _____
3. हाथी – _____ 4. बकरा – _____
5. मोर – _____ 6. बंदर – _____
7. कबूतर – _____ 8. चिड़ा – _____

ग. नए शब्द बनाइए -

1.	पन	बचपन	अपनापन	अकेलापन
2.	वाला	_____	_____	_____
3.	ता	_____	_____	_____
4.	पा	_____	_____	_____

घ. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. जीव-जंतु – _____
2. ताकतवर – _____
3. निर्भर – _____
4. महत्व – _____
5. अशांत – _____

कुछ नया कीजिए

क. कहानी का ताना-बाना

नीचे दिए गए चित्रों के आधार पर कहानी बनाकर सुनाइए-

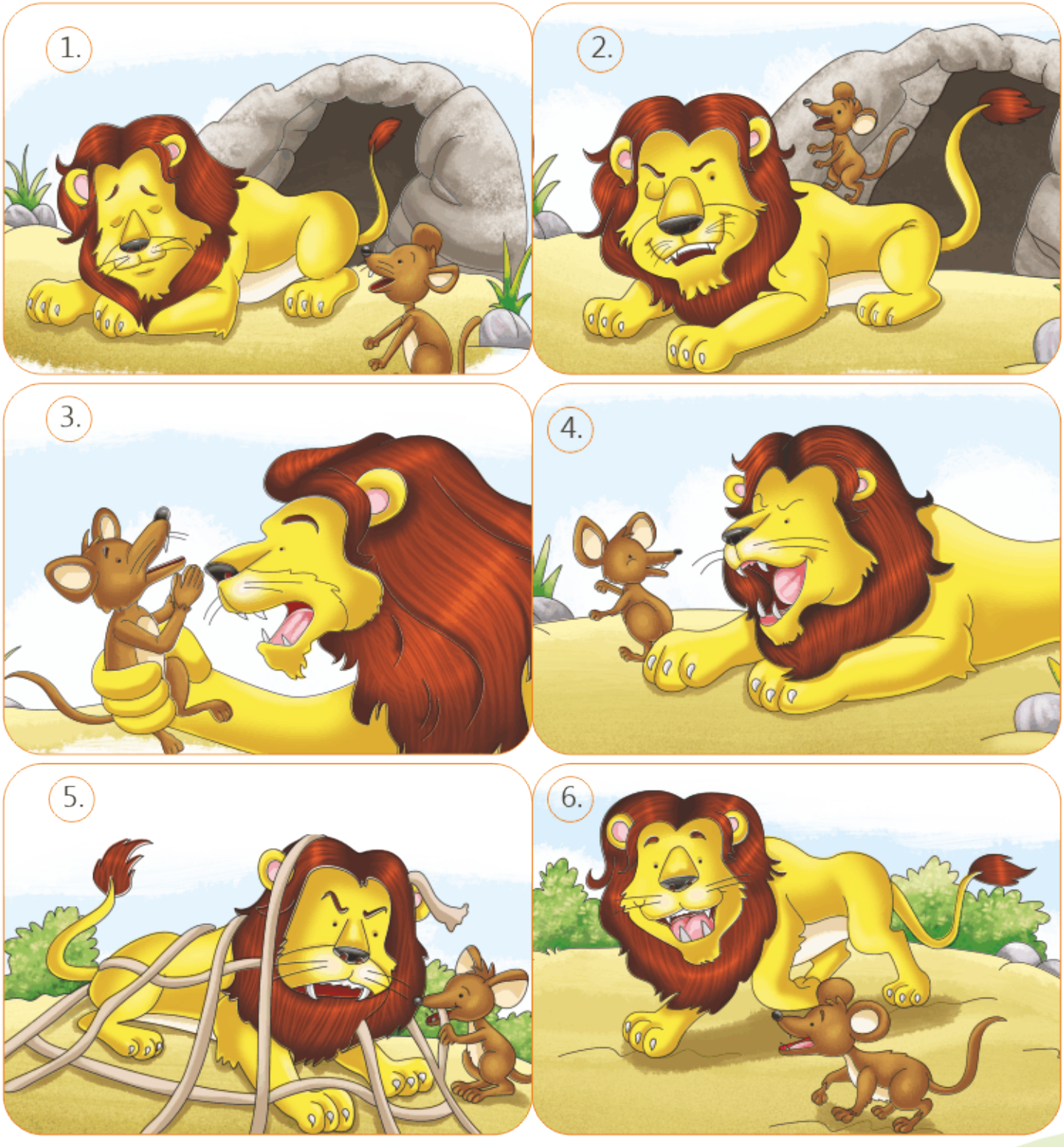

रचनात्मकता

- नीचे दिए गए पक्षियों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए–

_____

_____

_____

_____

_____

अन्य गतिविधि

खेल-खेल में सीखें

- दो टोलियाँ बनाइए। पहली टोली के बच्चे किसी भी जानवर या पक्षी का नाम बोलेंगे। जिस अक्षर से जानवर या पक्षी का नाम खत्म होगा, दूसरी टोली के बच्चे उसी अक्षर से किसी दूसरे जानवर या पक्षी का नाम बोलेंगे।
- इस पाठ के आधार पर जानवरों के मुखौटे लगाकर नाटक–मंचन कीजिए।

पाठ 4

संतुलित भोजन

पाठ का उद्देश्य

भोजन जीव-जंतुओं की पहली ज़रूरत है। संतुलित भोजन में अधिक मात्रा में पोषक तत्व होते हैं। वही भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

जीवन मूल्य

उचित एवं संतुलित आहार अच्छे स्वास्थ्य का आधार है। संतुलित आहार खाने वाले, 'स्वस्थ और सक्रिय जीवन' की नींव रखते हैं।

आज मोहित खुश था। उसके चाचा जी आए थे। मोहित की माँ ने खाना परोसा। मोहित को चावल खाना अच्छा नहीं लगता था। वह रोटी खाने की ज़िद कर रहा था।

चाचा जी ने उसे समझाया, "भोजन से पेट भरता है लेकिन एक ही तरह का भोजन करने से तुम कमज़ोर हो सकते हो।"

मोहित चुपचाप खाने लगा। खाने के बाद चाचा जी ने उसे भोजन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कुछ भोजन हमारे शरीर को काम करने के लिए ताकत देते हैं। इनमें चावल, आटा, आलू, चीनी, शहद, आदि शामिल हैं। कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं, जिन्हें खाए बिना हमारे शरीर का बढ़ना कम हो जाता है। बच्चों के लिए

तो ये चीज़ें बहुत ही ज़रूरी हैं। इनमें दालें, दूध, पनीर, मछली, मांस आदि आतें हैं।

मोहित ने पूछा, ''चाचा जी, हम सब्ज़ियाँ और फल आदि खाते हैं। क्या ये हमें ताकत देते हैं?''

चाचा जी ने बताया, ''ये चीज़ें हमारे शरीर को रोगों से बचाती हैं ये भोजन को पचाने में भी सहायता करती हैं।''

मोहित ने कहा, ''फल तो बहुत महँगे होते हैं।''

चाचा जी ने आगे बताया, ''यह कोई ज़रूरी नहीं कि हम महँगी चीज़ें ही खाएँ। मौसम के अनुसार हम ऐसे फल खा सकते हैं जो सस्ते हों। हाँ, एक बात और है। शरीर को ठीक रखने के लिए भी बहुत-सी बातों का ध्यान रखना पड़ता हैं। बासी भोजन खाएँगे, गंदा पानी पीएँगे और सफ़ाई का ध्यान नहीं रखेंगे, तो हम बीमार हो जाएँगे।''

मोहित समझ गया कि उसे किस प्रकार का भोजन करना चाहिए। उसने मन-ही-मन सोचा कि ये सब बातें वह अपने मित्रों को भी बताएगा।

जरूरी बात/सीख– संतुलित आहार से शरीर का संपूर्ण विकास होता है।

शब्दार्थ

विस्तार	– अच्छी तरह से	ताकत	– बल, शक्ति	शामिल	– एकत्र
रोगों	– बीमारियों	महँगे	– अधिक दाम वाले	सहायता	– मदद

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. मोहित के घर पर कौन आया था?
2. मोहित क्या खाने की ज़िद कर रहा था?
3. बासी भोजन खाने से क्या होता है?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. मोहित आज खुश क्यों था?

   _____

2. चाचा जी ने मोहित को क्या समझाया?

   _____

3. क्या-क्या खाने से शरीर को ताकत मिलती है?

   _____

4. चाचा जी ने किन-किन बातों की ओर ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया?

   _____

5. हमारे शरीर के लिए भोजन क्यों आवश्यक है?

   _____

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

मित्रों , महँगे, बीमार, सफाई, चावल, मौसम, विस्तार

1. मोहित को ——चावल—— खाना अच्छा नहीं लगता था।
2. चाचा जी ने मोहित को भोजन के बारे में ———— से बताया।
3. मोहित ने कहा, ''फल तो बहुत ———— होते है।''
4. ———— के अनुसार हम ऐसे फल खा सकते हैं जो सस्ते हों।
5. हम ———— का ध्यान नहीं रखेंगे, तो हम ———— हो जाएँगे।
6. मोहित सब बातें अपने ———— को भी बताएगा।

ग. सही विकल्प पर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. मोहित को क्या खाना अच्छा लगता है?

   (i) चावल ◯ (ii) रोटी ◯ (iii) फल ◯

2. एक ही तरह का भोजन खाने से क्या हो जाता है?

   (i) हमारा शरीर मोटा हो जाता है ◯ (ii) हमारा शरीर कमज़ोर हो जाता है। ◯

   (iii) हमारा शरीर मज़बूत बन जाता है। ◯

3. इनमें से कौन-सी चीज़ें हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने में सहायक हैं-

   (i) फल-सब्जियाँ ◯ (ii) चावल ◯ (iii) फूल ◯

4. हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का आधार क्या है?

   (i) बासी भोजन ◯ (ii) संतुलित आहार ◯ (iii) प्रदूषित जल ◯

5. मोहित क्या समझ गया?

   (i) किस तरह का भोजन करना चाहिए ◯

   (ii) किस तरह खेलना उचित है ◯

   (iii) रोजाना नहाना चाहिए ◯

शब्दों की दुनिया

क. पाठ में से खाद्य-पदार्थों के नाम ढूँढ़कर नीचे लिखिए-

चावल _____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

ख. पाठ से संज्ञा शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए-

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

भाषा की बात

क. किसी का विपरीत या उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

1. अच्छा – _____
2. ऊपर – _____
3. सरल – _____
4. ठंडा – _____
5. बासी – _____
6. गंदा – _____

ख. कुछ शब्द स्वाद की विशेषता बताते हैं। नीचे दी गई चीज़ों को उनके स्वाद के साथ मिलाइए-

1. करेला	तीखी
2. सेब	कड़वा
3. नमक	खट्टी
4. मिर्च	मीठा
5. इमली	नमकीन

ग. इन शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. चुपचाप – _____
2. ताकत – _____
3. सहायता – _____
4. मौसम – _____

घ. समझिए और शब्द बनाइए–

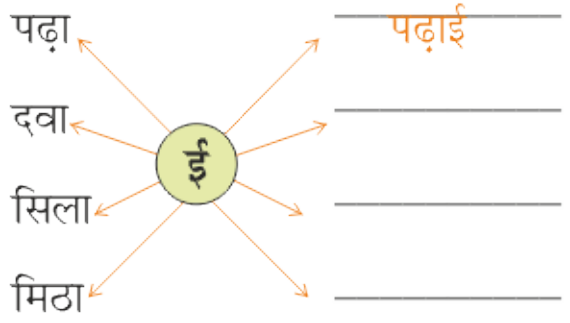

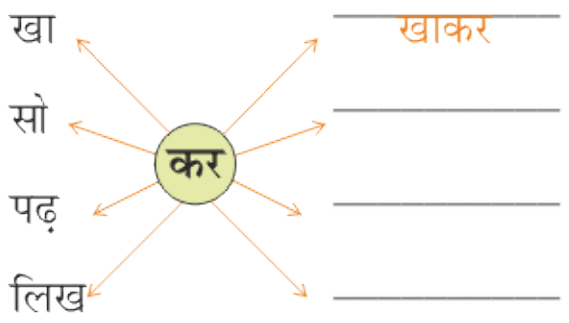

कुछ नया कीजिए

कला–समेकन

क. अपनी पसंद के कोई फल का चित्र नीचे दिए गए बॉक्स में बनाइए और उसमें रंग भरिए और उसका रंग व गुण बताइए–

रंग – _____

गुण – _____

ख. आपको सबसे अधिक क्या अच्छा लगता हैं? लिखिए-

अनुभव आधारित ज्ञान

1. पीने में – _____
2. खाने में – _____
3. पहनने में – _____
4. खेलने में – _____
5. पढ़ने में – _____

मनोरंजन और खेल

दिए गए शब्द-जाल में से पाँच फल और पाँच सब्ज़ियों के नाम ढूँढ़कर लिखिए-

आ	म	छ	से	गो	भी
लू	ट	ग	ब	ट	त
त्व	र	फ	अं	गू	र
बैं	पा	इ	अ	स	बू
ग	ल	ज	क्ष	इ	ज़
न	क	अ	म	रू	द

फल

_____ तरबूज

_____

_____

_____

_____

सब्ज़ियाँ

_____ आलू

_____

_____

_____

_____

अन्य गतिविधि

गतिविधि

सप्ताह भर में आप जो कुछ खाते हैं, उनकी एक सूची बनाइए और नीचे दी गई तालिका में भरिए–

दिन	सुबह के समय	दोपहर के समय	रात के समय
सोमवार			
मंगलवार			
बुधवार			
बृहस्पतिवार			
शुक्रवार			
शनिवार			
रविवार			

अपने शिक्षक / शिक्षिका से इस तालिका के बारे में चर्चा कीजिए।

पाठ 5

सीखो

पाठ का उद्देश्य

बाल हृदय एक कोमल टहनी की तरह होता है, जैसा-जहाँ मोड़ो, मुड़ जाता है। अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार ही बच्चों को एक उत्तम नागरिक बनाते हैं। प्रकृति की प्रत्येक वस्तु हमें कुछ-न-कुछ शिक्षा देती है। हमें इन सब से शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए।

जीवन मूल्य

अगर हम अपने मन को शांत रखकर अपनी बुराइयों को छोड़ें तो संसार में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा सकते हैं।

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौंरों से नित गाना।
फल से लदी डालियों से नित,
सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो,
कोमल-कोमल बहना।
दूध तथा पानी से सीखो,
मेल-जोल से रहना।

सूरज की किरणों से सीखो,
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो,
सबको गले लगाना।

दीपक के जलने से सीखो,
अंधकार को हरना।
पृथ्वी से सीखो सबकी नित,
सच्ची सेवा करना।

–श्रीधर पाठक

जरूरी सीख– हमें अपनी प्रकृति और अपने परिवेश से अच्छी शिक्षा लेनी चाहिए।

शब्दार्थ

नित	– रोज़ाना, हर दिन	शीश	– सिर	कोमल	– मुलायम
मेल-जोल	– मिलते रहना, मिलकर	भौंरा	– काले रंग का एक कीड़ा		
लता	– बेल	हरना	– दूर करना	पृथ्वी	– धरती
हँसना	– मुस्काना				

श्रुतलेख शिक्षक कविता में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भौंरों से हमें क्या सीखना चाहिए?
2. सबको गले लगाने की सीख हमें किससे मिलती है?
3. हमें किससे और कैसे प्रकाश फैलाने की शिक्षा मिलती है?
4. पृथ्वी हमें क्या सिखाती है?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. हमें किससे हँसना सीखना चाहिए?

   _____

2. मिलजुलकर रहने की शिक्षा हमें किससे लेनी चाहिए?

   _____

3. सूरज की किरणों से हमें क्या सीखना चाहिए?

   _____

4. सच्ची सेवा करने की शिक्षा हमें किससे लेनी चाहिए?

   _____

ख. निम्नलिखित कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए-

(1) फूलों से नित _____,

_____ नित गाना।

फल से लदी _____,

सीखो _____।

(2) सूरज की किरणों से सीखो, _____।

_____ और _____ से सीखो,

_____।

ग. कविता के अनुसार सही विकल्प चुनकर उन पर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. हमें किससे हँसना सीखना चाहिए?

   (i) भौंरों से ◯ (ii) फूलों से ◯ (iii) कलियों से ◯

2. दूध और पानी से हमें क्या सीखना चाहिए?

(i) भरोसा करना ◯ (ii) मिलजुल कर रहना ◯ (iii) गले लगाना ◯

3. लता और पेड़ों से क्या सीखना चाहिए?

(i) प्यार करना ◯ (ii) गले लगाना ◯ (iii) शीश झुकाना ◯

4. अंधकार को हरना हमें किस से सीखना है?

(i) सूरज से ◯ (ii) दीपक से ◯ (iii) चाँदनी से ◯

शब्दों की दुनिया

क. तुक वाले शब्द लिखिए-

1. गाना – लाना
2. सीख – _____
3. लताएँ – _____
4. नित – _____
5. मेल – _____
6. बहना – _____

ख. समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखिए-

1. फूल – पुष्प सुमन
2. पेड़ – _____ _____
3. सूरज – _____ _____
4. दूध – _____ _____
5. पानी – _____ _____
6. दीपक – _____ _____

ग. पढ़िए, समझिए और लिखिए-

1. **सुंदर** + ता – सुंदरता
2. मानव + ___ – _____
3. एक + ___ – _____
4. प्रधान + ___ – _____
5. चंचल + ___ – _____
6. कौशल + ___ – _____

भाषा की बात

क. उल्टे अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए-

1.	कोमल	आकाश
2.	अंधकार	सोना
3.	जगना	रोना
4.	सच्ची	कठोर
5.	हँसना	उजाला
6.	धरती	झूठी

ख. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए-

1. फूलों से _____ सीखेंगे। (रोना / हँसना)
2. फूलों पर _____ मँडराते हैं। (भँवरे / भूत)
3. मेल-जोल _____ से सीखना है। (दूध-पानी / हवा)
4. सूरज की किरणों से _____ सीखना है। (लहराना / जगना)
5. सेवा करना _____ से सीखना है। (धरती / आकाश)

कुछ नया कीजिए

कला-समेकन

क. चित्रों से संबंधित कविता की पंक्तियाँ लिखिए और चित्रों में रंग भी भरिए-

_____

_____

_____

अन्य गतिविधि

चिंतन-कौशल/वाचन कौशल

हमें अपने आस-पास के वातावरण से हमेशा अच्छी बातें सीखते रहना चाहिए। आप अपने आस-पास से लोगों से क्या-क्या सीखना चाहेंगे, संक्षेप में लिखिए व कक्षा में सुनाइए।

पाठ 6

मित्र

चित्रकथा का उद्देश्य

जिस प्रकार हमारे आस-पड़ोस और कक्षा में कुछ बच्चे हमारे मित्र हैं, उसी प्रकार पशु-पक्षियों की भी आपस में मित्रता होती है। वे भी मुश्किल समय में एक-दूसरे की सहायता करते हैं।

जीवन मूल्य

जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे की मदद करना, जिंदगी में तरह-तरह के बदलाव लाना और प्रसन्नता पूर्वक जीवन व्यतीत करना है।

सुंदर वन में एक आम का पेड़ था। उसपर एक मिटठू तोता रहता था। आम के पेड़ के नीचे एक कुत्ता अक्सर आराम करने आ जाता था। उसका नाम था-भोलू। कुछ ही दिनों में उनमें अच्छी मित्रता हो गई।

एक चील ने पेड़ पर बैठे मिट्ठू तोते पर हमला कर दिया। वह घायल होकर ज़मीन पर गिर गया। अपने मित्र की यह दुर्दशा देखकर कुत्ता बहुत दुखी हुआ।

भोलू एक टोकरी लाया और मिट्ठू को उस में रखकर डॉक्टर के पास ले गया।

डॉक्टर ने दवाई लगाकर तोते को पट्टी बाँध दी। तोते की जान बच गई।

कुत्ता अपने दोस्त को घर ले आया। धीरे-धीरे तोता स्वस्थ हो गया।

कुछ दिनों बाद, कुत्ते के पैर में अचानक एक काँटा चुभ गया। वह दर्द से परेशान था।

मिट्ठू तोते ने अपनी चोंच से पकड़कर काँटा निकाल दिया। भोलू कुत्ता भी स्वस्थ हो गया। दोनों मित्र प्रेमपूर्वक रहने लगे।

जरूरी सीख– सच्चा मित्र वही होता है, जो मुसीबत के समय काम आए।

शब्दार्थ

मित्रता	– दोस्ती	दुर्दशा	– बुरी हालत	दुखी	– परेशान
शुक्रिया	– धन्यवाद	स्वस्थ	– तंदरुस्त	कामना	– हार्दिक इच्छा

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से पाँच शब्द बोलेंगी, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तोते का नाम क्या था?
2. कुत्ते का नाम क्या था?
3. तोते को डॉक्टर के पास कौन ले गया था?
4. कुत्ता दर्द से परेशान क्यों था?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. तोता कहाँ रहता था?

_____

2. मिट्ठू तोते को किसने घायल किया था?

_____

3. मिट्ठू तोते की दोस्ती किससे हो गई थी?

_____

4. कुत्ते ने तोते की जान किस तरह बचाई थी?

_____

5. मिट्ठू तोते ने कुत्ते का दर्द कैसे दूर किया?

_____

ख. सही विकल्प चुनकर उसके सामने ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. कुत्ता कहाँ आराम करता था?

(i) तालाब पर ◯ (ii) पेड़ के नीचे ◯ (iii) घर पर ◯

2. तोता किस पेड़ पर रहता था?

(i) नीम के ◯ (ii) पीपल के ◯ (iii) आम के ◯

3. तोते को दवाई किस ने लगाई?

(i) चील ने ◯ (ii) डॉक्टर ने ◯ (iii) कुत्ते ने ◯

4. कुत्ते के पैर से काँटा किस ने निकाला था?

(i) चील ने ◯ (ii) डॉक्टर ने ◯ (iii) मिट्ठू तोते ने ◯

ग. नीचे लिखे वाक्य किसने, किससे कहे थे?

		किसने	किससे
1.	बचाओ, मैं तो मरा!	_____	_____
2.	हे भगवान! अब मैं क्या करूँ?	_____	_____
3.	तुम जल्दी ही ठीक हो जाओगे।	_____	_____
4.	मित्रता में धन्यवाद की कोई जगह नहीं।	_____	_____
5.	मेरे पैर में तेज़ दर्द हो रहा है।	_____	_____

शब्दों की दुनिया

क. उल्टे अर्थ वाले शब्दों पर गोला (○) लगाइए-

1.	दुखी	हैरान	नाराज़	सुखी
2.	ऊपर	आगे	नीचे	पीछे
3.	दोस्त	प्यारा	अच्छा	दुश्मन
4.	मीठा	स्वादिष्ट	खट्टा	कड़वा
5.	पालतू	जंगली	शहरी	घरेलू

ख. शब्दों को उल्टाकर नए शब्द बनाइए-

1.	सब	बस	2.	यान	_____
3.	सदा	_____	4.	राखी	_____
5.	रस	_____	6.	नथ	_____

भाषा की बात

क. इन संयुक्ताक्षर वाले दो-दो शब्द लिखिए-

1.	त्त -	पत्ता	गत्ता	2.	ट्ट -	_____ _____
3.	स्त -	_____	_____	4.	श्व -	_____ _____
5.	न्य -	_____	_____	6.	प्य -	_____ _____

ख. नीचे दी गई तालिका की सहायता से वाक्य बनाइए-

मैं मुझे आप	स्कूल जाना है।	
	खाना खा लीजिए।	
	थक गया हूँ।	
	जूते मत उतारिए।	

ग. दिए गए शब्दों में प्र, उप, प्रति शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाइए-

प्र
- यत्न _____
- देश _____
- कृति _____
- बल _____

प्रति
- पल _____
- दिन _____
- सप्ताह _____
- वर्ष _____

उप
- हार _____
- वन _____
- कार _____
- स्थित _____

कुछ नया कीजिए

क. नाम वाले शब्द कई प्रकार के होते हैं, जैसे- कुत्ता एक पशु और तोता एक पक्षी का। इसी प्रकार अपने-आप से चार और नाम ढूँढ़कर लिखिए-

पशु	पक्षी	वस्तु	फल	स्थान
कुत्ता	तोता	डलिया	आम	घर
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____

रचनात्मकता

क. आप अपने प्रिय मित्र के बारे में क्या-क्या जानते हैं? आप उसमें क्या-क्या अच्छाइयाँ पाते हैं? पाँच वाक्यों में लिखिए और उसका चित्र भी चिपकाइए।

_____

_____

_____

_____

_____

ख. यदि आपको कोई घायल जानवर मिले, तो आप क्या करेंगे

जीवन-कौशल

1. उसको परेशान करेंगे।
2. उस पर ध्यान नहीं देंगे।
3. उसके घाव पर दवाई लगाएँगे।
4. अपने मित्रों से उसकी सहायता करने को कहेंगे।

ग. कृष्ण और सुदामा की दोस्ती के बारे में अपने दादा-दादी से कहानी सुनिए व कक्षा में सुनाइए।

श्रवण/वाचन-कौशल

मौखिक पठन

रानी लक्ष्मीबाई

रानी लक्ष्मीबाई का नाम आपने अवश्य सुना होगा। लोग उन्हें 'झाँसी की रानी' कहते हैं। लक्ष्मीबाई बचपन से ही बहादुर थीं। बचपन में सब उन्हें 'मनु' नाम से पुकारते थे।

लक्ष्मीबाई का विवाह राजा गंगाधर राव से हुआ था। गंगाधर राव झाँसी के राजा थे। एक बार गंगाधर राव बीमार पड़े। बीमारी भी ऐसी कि उसने गंगाधर राव के प्राण लेकर ही दम लिया।

यह घटना उन दिनों की है जब हमारे देश के कई भागों में अंग्रेज़ों का शासन था। राजा की मृत्यु होने पर इधर झाँसी की जनता शोक में डूबी थी, उधर अंग्रेज़ों की सेना ने झाँसी पर हमला कर दिया।

लक्ष्मीबाई ने उस समय हिम्मत से काम लिया। उन्होंने झाँसी की बागडोर सँभाल ली और अंग्रेज़ों का डटकर सामना किया। अंग्रेज़ी सेना को पीछे हटना पड़ा।

उन दिनों पूरे भारत में आज़ादी की लड़ाई छिड़ी हुई थी। रानी लक्ष्मीबाई ने भी अपनी सेना का संचालन करते हुए इस लड़ाई में हिस्सा लिया। वह घोड़े पर सवार होकर आगे बढ़ती जा रही थीं। दुश्मन की सेना उनके सामने टिक नहीं पा रही थी।

दुश्मन से लड़ते-लड़ते लक्ष्मीबाई बुरी तरह से घायल हो गई थीं। घायल अवस्था में भी वह तब तक लड़ती रहीं जब तक कि शरीर में प्राण रहे।

रानी लक्ष्मीबाई आज हमारे बीच नहीं हैं किंतु आज भी हम आदर-भाव से उन्हें याद करते हुए गाते हैं-

बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो,
झाँसी वाली रानी थी।

पाठ 7

हंस किसका

पाठ का उद्देश्य

हमारे जीवन में हमें कदम-कदम पर अच्छाई और बुराई का सामना करना पड़ता हैं। हमें अपने अच्छे जीवन के लिए बुराई को त्यागकर अच्छाई की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

जीवन मूल्य

अच्छाइयों का एक-एक तिनका चुन-चुनकर जीवन भवन का निर्माण होता है, पर बुराई का एक हल्का झोंका ही उसे मिटा डालने के लिए पर्याप्त है। हमें अच्छाई की ओर अग्रसर रहना चाहिए।

(राजा शुद्धोधन का दरबार) दो राजकुमार सिद्धार्थ और देवदत्त न्याय पाने के लिए खड़े हुए हैं। सिद्धार्थ के हाथों में एक घायल हंस है। देवदत्त के हाथों में धनुष-बाण हैं। सिद्धार्थ के चेहरे से करुणा के भाव झलक रहे हैं। देवदत्त के चेहरे पर क्रोध और अहंकार के भाव हैं।

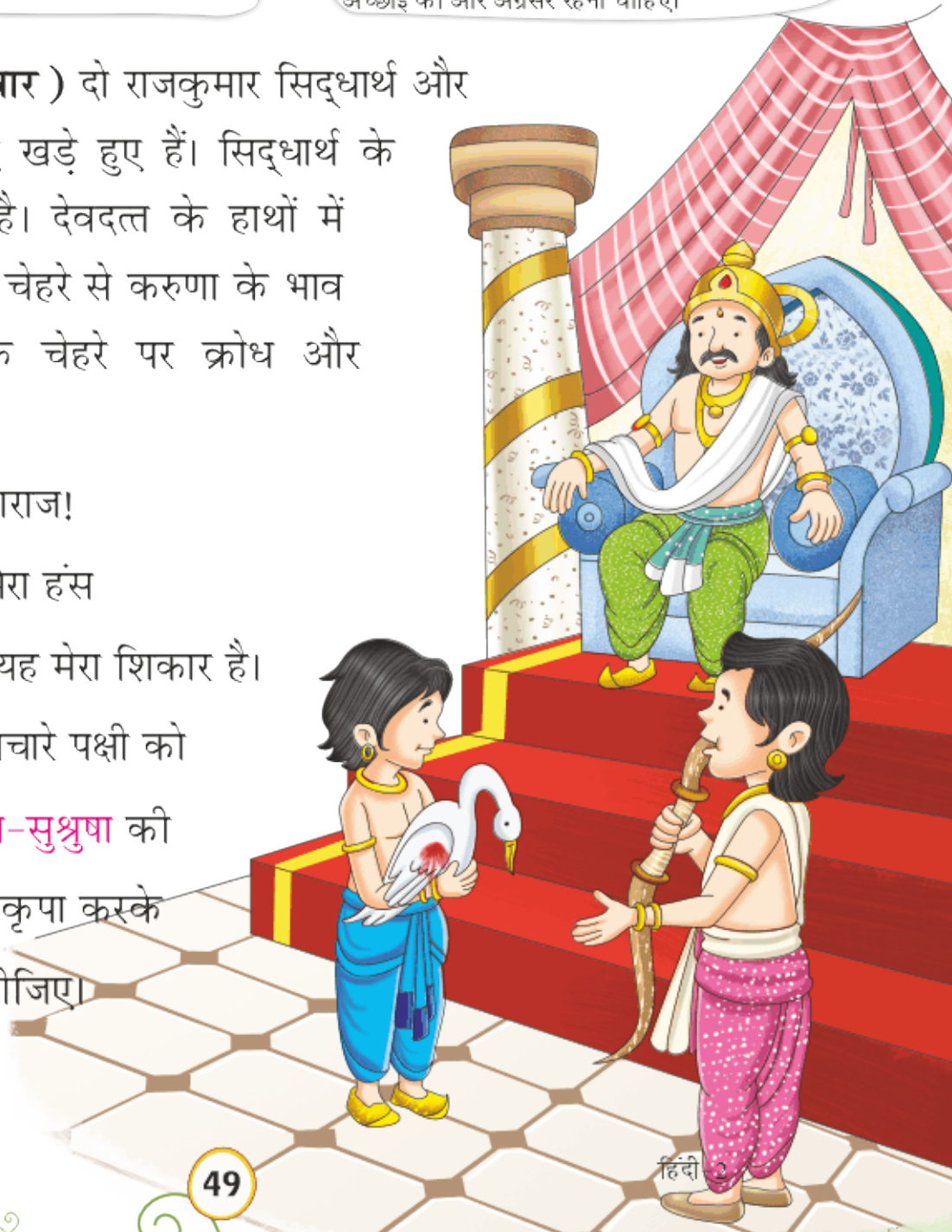

देवदत्त - (आवेश में) महाराज!
न्याय कीजिए। मेरा हंस
मुझे दिलवाइए। यह मेरा शिकार है।

सिद्धार्थ - महाराज! इस बेचारे पक्षी को
सबसे पहले सेवा-सुश्रुषा की
आवश्यकता है। कृपा करके
आप सहायता कीजिए।

महाराज – हंस को प्राथमिक चिकित्सा के लिए ले जाया जाए। (एक सेवक हंस को ले जाता है।)

देवदत्त – महाराज! इस पक्षी को पहले मैंने ही वृक्ष पर बैठा देखा था फिर इसे तीर मारा। अत: यह मेरा हंस है।

सिद्धार्थ – महाराज! मैंने इस घायल हुए हंस को बचाया है। अभी इसे मेरी देखभाल की आवश्यकता है। इसलिए हंस मुझे दिया जाए।

महाराज – मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। इसलिए हंस पर सिद्धार्थ का अधिकार है।

देवदत्त – नहीं महाराज! यह अन्याय है। हंस मेरा है। (तब तक सेवक हंस की मरहम-पट्टी करके उसे ले आता है।)

महाराज – रुको देवदत्त! ऐसा हठ ठीक नहीं। इसका न्याय वह स्वयं करेगा! इस हंस को बीच में छोड़ दिया जाए। बारी-बारी से देवदत्त और सिद्धार्थ हंस को बुलाएँगे। हंस जिसके पास चला जाए, हंस उसी को मिलेगा। (सेवक हंस को बीच में छोड़ देता है।)

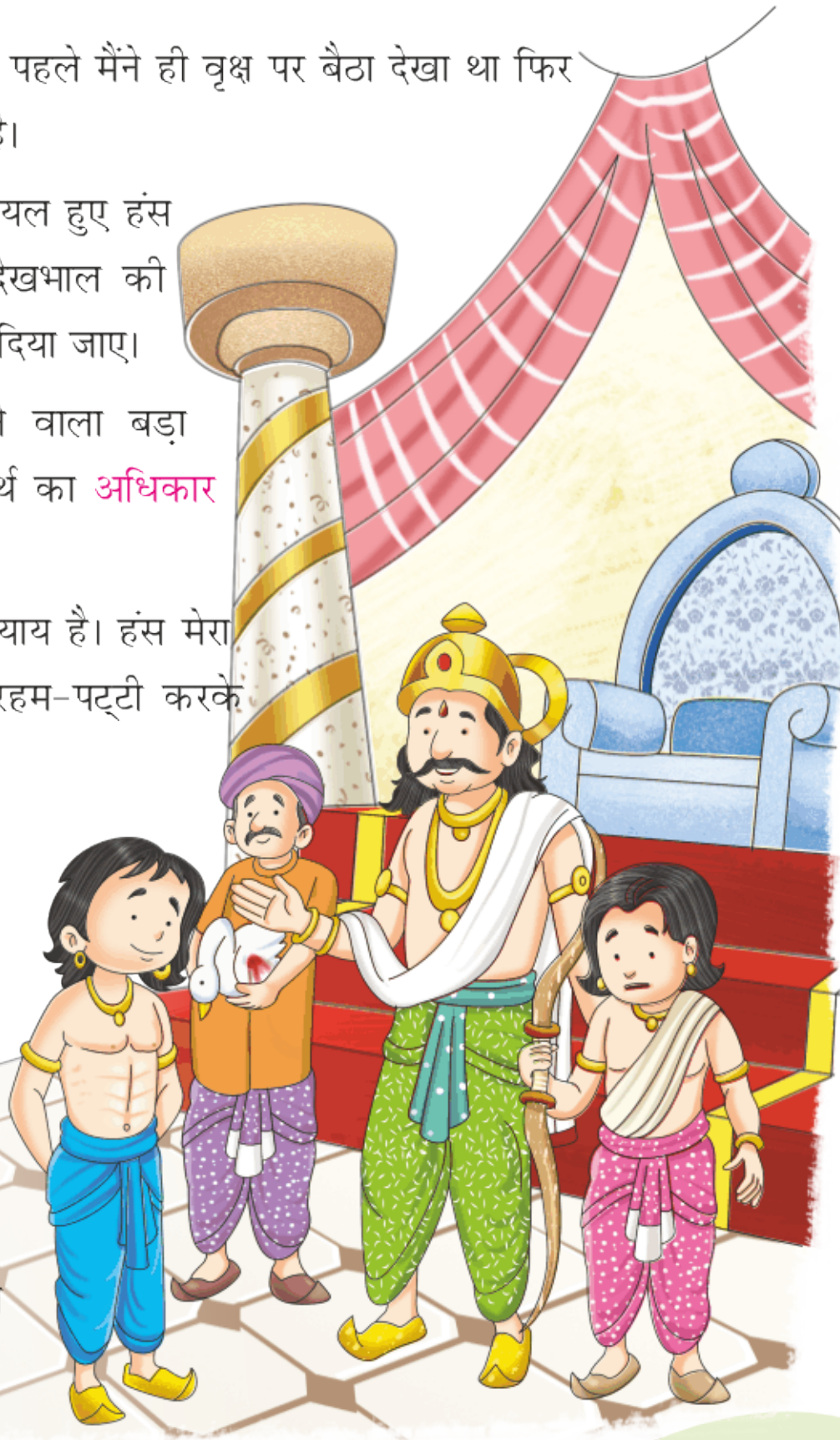

देवदत्त – (गुस्से से) हंस, इधर आ! (हंस डरकर पीछे हट जाता है।)

सिद्धार्थ – (प्यार से) प्यारे हंस, घबराओ मत! मेरे पास आओ। (हंस सिद्धार्थ के पास चला जाता है।)

महाराज – अब यह हंस सिद्धार्थ का है। (देवदत्त मुँह लटकाकर चला जाता है। सिद्धार्थ हंस को उठाकर पुचकारने लगता है। हंस प्यार से सिद्धार्थ की गोद में दुबक जाता है।)

जरूरी सीख– हमें जीवों पर दया करनी चाहिए। हमेशा मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है।

शब्दार्थ

करुणा – दया
अहंकार – घमंड
आवेश – गुस्सा
सेवा-सुश्रुषा – रोगी की देखभाल
प्राथमिक चिकित्सा – शुरुआती इलाज
अधिकार – हक
हठ – ज़िद
पुचकारना – दुलार करना

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से आठ शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. देवदत्त और सिद्धार्थ दरबार में किसलिए खड़े थे?
2. सिद्धार्थ के हाथों में क्या था?
3. उन दोनों के झगड़े का मुख्य कारण क्या था?
4. प्राथमिक चिकित्सा के लिए हंस को कौन ले गया?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दोनों राजकुमारों के क्या नाम थे?

_____

2. दोनों के हाथों में क्या-क्या था?

_____

3. देवदत्त किस आधार से हंस पर अपना हक जता रहे थे?

_____

4. सिद्धार्थ हंस को अपने पास क्यों रखना चाहते थे?

_____

5. हंस चलकर किसके पास गया?

_____

ख. ठीक वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए-

1. घायल हंस को देवदत्त ने तीर से घायल किया था। ☐
2. महाराज के अनुसार हंस पर सिद्धार्थ का हक था। ☐
3. देवदत्त ने हंस को प्यार से पुचकारा। ☐
4. हंस की सेवक ने मरहम-पट्टी की। ☐
5. महाराज हंस को अपने पास रखना चाहते थे। ☐

ग. सही विकल्प पर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. दोनों राजकुमार कहाँ खड़े थे?

(i) उद्यान में ☐ (ii) दरबार में ☐ (iii) खेतों में ☐

2. सिद्धार्थ के चेहरे से कैसे भाव झलक रहे थे।

(i) क्रोध के ◯ (ii) करुणा के ◯ (iii) अहंकार के ◯

3. हंस को पहले किसने देखा था?

(i) सिद्धार्थ ने ◯ (ii) महाराज ने ◯ (iii) देवदत्त ने ◯

4. हंस को किसने घायल किया था?

(i) सेवक ने ◯ (ii) देवदत्त ने ◯ (iii) सिद्धार्थ ने ◯

5. हंस की रक्षा किसने की थी?

(i) सिद्धार्थ ने ◯ (ii) देवदत्त ने ◯ (iii) महाराज ने ◯

शब्दों की दुनिया

क. दिए गए शब्दों के दो-दो और नाम लिखिए - (पर्यायवाची शब्द)

राजा
_____
_____

सेवक
_____
_____

आँख
_____
_____

ख. इन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए -

1. धायल - घायल
2. पार्थमिक - _____
3. अधीकार - _____
4. आवेस - _____
5. सबयं - _____
6. पूच्कारना - _____

ग. संयुक्ताक्षरों वाले शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए-

1. स्व – _____
2. द्ध – _____
3. ट्ट – _____
4. न्य – _____
5. क्र – _____
6. श्य – _____

घ. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए-

1. स + ेवक = सेवक
2. म + ह + ा + र + ा + ज = _____
3. अ + ध + ि + क + ा + र = _____
4. र + ा + ज + द + र + ब + ा + र = _____
5. र + ा + ज + क + ु + म + ा + र = _____

भाषा की बात

क. एक-दूसरे का विपरीत (उलटा) अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं। नीचे दिए गए रंगीन शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए-

1. मुझे हिंदी सरल लगती है और अंग्रेज़ी कठिन।
2. जड़ और _____ सभी को ईश्वर ने बनाया है।
3. बुराई पर _____ की सदैव विजय होती है।
4. सच के सामने _____ नहीं टिक सकता।
5. हम निडर बनेंगे, _____ नहीं।
6. मिर्च मीठा नहीं _____ होता है।

ख. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

नाम के स्थान पर आने वाले इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. वह – _____

2. आप – _____

3. हम – _____

कुछ नया कीजिए

क. कौन, कहाँ रहता है? सोचकर लिखिए–

1. _____ में रहता है।

2. _____ में रहती है।

3. _____ में रहती है।

4. _____ पर रहता है।

5. _____ में रहता है।

घोंसला

माँद

बिल

जल

वृक्ष

समस्या समाधान

अपने गुस्से को काबू करने के लिए आप क्या-क्या उपाय कर सकते हैं? सोचकर बताइए।

बगरा कबज

नीचे बने हंस पर रुई चिपकाइए और अध्यापक / अध्यापिका की मदद से हंस पर पाँच वाक्य लिखिए-

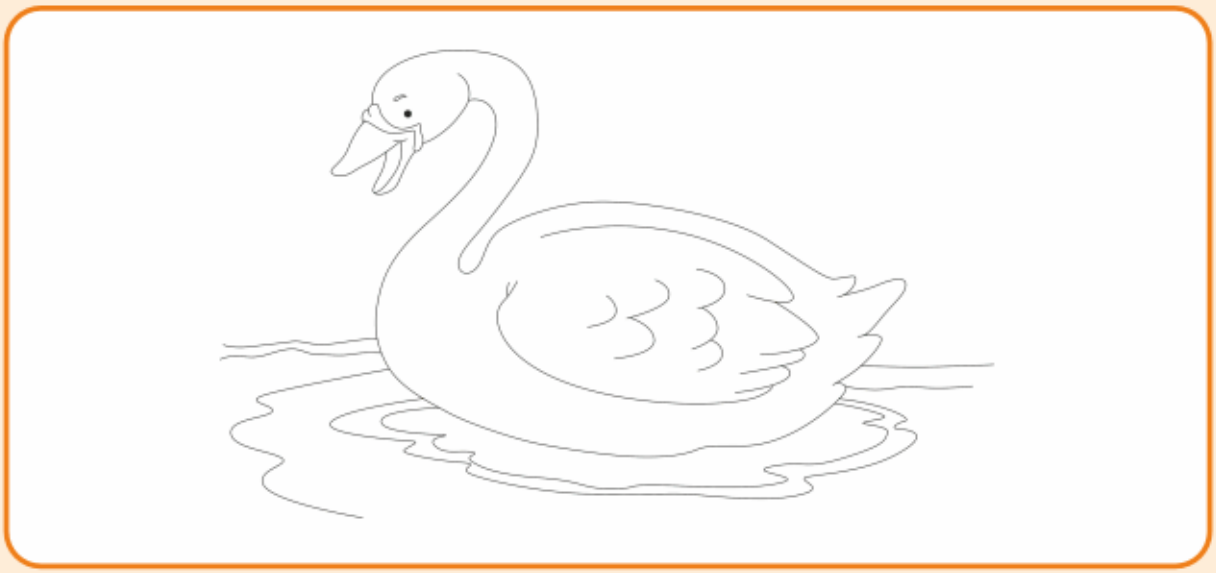

_____

_____

_____

_____

पाठ 8

सान्वी की योग-शिक्षा

पाठ का उद्देश्य

हर व्यक्ति अपने दिन-प्रतिदिन के कार्य अच्छी तरह से करता है। उसे हर कार्य अच्छी तरह करने के लिए अपना तन और मन स्वस्थ रखना चाहिए। तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए उसे अच्छे व्यायाम का सहारा लेना चाहिए।

जीवन मूल्य

योग हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। हमें स्वयं से ही संकल्प लेना चाहिए कि रोज़ाना एक घंटा ज़रूर व्यायाम करेंगे।

सान्वी ने अपने विद्यालय में होने वाली योग-शिक्षा की कक्षा में भाग लेना शुरू कर दिया था। उसे कक्षा में बैठे-बैठे अपनी दादी का ध्यान हो आया कि वे कितनी अस्वस्थ रहती हैं।

विद्यालय से घर पहुँचते ही उसने अपनी दादी को पकड़ लिया। अब वह बड़ों की तरह अपनी दादी को समझाने लगी- ''दादी, हमारी योग टीचर कहती हैं कि हमें रोज़ व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम करने से हमारा तन और मन दोनों ही स्वस्थ रहते हैं। इससे हमारे शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है। इतना ही नहीं हमें नियमित रूप से व्यायाम करने से डॉक्टरों के पास भी नहीं जाना पड़ता और उनसे छुटकारा मिल जाता है। दादी सोचो, कितना मज़ा आए अगर हमें बीमार पड़ने पर कड़वी-कड़वी दवाइयाँ न खानी पड़ें और सुई भी न लगवानी पड़े।''

दादी को अब सान्वी की मीठी-मीठी बातें सुनने में मज़ा आने लगा था। उन्होंने उसे टोकते हुए पूछा, ''यह सब तो ठीक है सान्वी, पर तुम तो अभी बच्ची हो और मैं बूढ़ी हो गई हूँ। हम भला क्या व्यायाम कर सकते हैं?''

दादी की बात सुनकर सान्वी हँसते हुए बोली, ''दादी, हम भले ही अभी कुछ और न कर सकते हों, पर हम प्रतिदिन सुबह-शाम ताज़ी हवा में टहल तो सकते हैं।''

दादी बोली, ''इससे क्या होगा सान्वी? टहलना भी कोई व्यायाम है?''

''अरे दादी! क्या आपको सचमुच नहीं पता कि सुबह-शाम ताज़ी हवा में टहलना ही तो सबसे अच्छा व्यायाम है। इससे हमारे फेफड़ों को साफ़ हवा मिलती है। हमारे पैर भी मज़बूत हो जाते हैं।'' सान्वी ने बताया।

दादी बोली, ''हाँ-हाँ बिटिया, मुझे पता है। मैं तो देख रही थी कि तुम्हें क्या-क्या पता है। ठीक है, अब कल से हम दोनों सुबह-शाम खूब टहलेंगे। यही होगा हमारा पहला व्यायाम।''

सान्वी खुशी से दादी के गले लग गई।

जरूरी सीख– व्यायाम द्वारा शरीर को स्वस्थ रखना और नियमित रूप से जल्दी उठकर सैर करना बहुत उपयोगी सिद्ध होता है। अतः हमें प्रतिदिन संतुलित भोजन, अच्छी नींद व व्यायाम अवश्य करना चाहिए।

शब्दार्थ

रोगी – बीमार
योग-टीचर – योग शिक्षिका
नियमित – नियम से
चुस्त-फुर्ती – तेज़ी और शीघ्रता
प्रतिदिन – रोज़ाना
ताज़ी – साफ़

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से आठ शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. सान्वी अपने विद्यालय में कौन-सी शिक्षा लेने लगी थी?
2. सान्वी घर पहुँचकर किसे समझाने लगी थी?
3. सान्वी दादी को किस बारे में बता रही थी?

लिखित प्रश्न

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- लेखन-कौशल

1. सान्वी अपनी दादी को क्या समझा रही थी?

_____

2. सान्वी ने दादी को व्यायाम करने के क्या फायदे बताए?

_____

3. दादी को सान्वी की बात सुनने में कब मज़ा आने लगा?

_____

4. टहलने के क्या-क्या लाभ हैं?

_____

5. दादी और पोती ने क्या फैसला किया?

_____

ख. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों को भरिए-

1. व्यायाम से शरीर में _____ बनी रहती है। (कमज़ोरी/चुस्ती-फुर्ती)
2. व्यायाम करने से _____ रहते हैं। (अस्वस्थ/स्वस्थ)
3. हम _____ सुबह-शाम ताज़ी हवा में टहल सकते हैं। (कभी-कभी/प्रतिदिन)
4. व्यायाम से _____ को साफ हवा मिलती है। (फेफड़ों/पेट)
5. टहलने से हमारे _____ भी मज़बूत हो जाते हैं। (कान/पैर)

ग. सही उत्तर के आगे ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. विद्यालय से घर पहुँचकर सान्वी ने किसे समझाना शुरू कर दिया?

   (i) मम्मी को ◯ (ii) दादी को ◯ (iii) पिताजी को ◯

2. व्यायाम करने से हमें किस के पास नहीं जाना पड़ता?

   (i) पार्क में ◯ (ii) डॉक्टर के ◯ (iii) योग टीचर के ◯

3. सान्वी की दादी को कैसी बातें सुनकर मज़ा आने लगा था?

   (i) मीठी-मीठी ◯ (ii) कड़वी ◯ (iii) शरारती ◯

4. सान्वी ने सबसे अच्छा व्यायाम किसे बताया?

   (i) सोने को ◯ (ii) नाचने को ◯ (iii) टहलने को ◯

शब्दों की दुनिया

क. समझिए और लिखिए-

1. दादा - दादी
2. पापा - _____
3. चाचा - _____
4. मामा - _____
5. काका - _____
6. राजा - _____

ख. समान तुक वाले शब्द लिखिए-

1. योग – लोग
2. जाओ – _____
3. बच्ची – _____
4. भला – _____
5. टहल – _____

ग. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. अस्वस्थ – _____
2. योग-शिक्षा – _____
3. व्यायाम – _____
4. दवाइयाँ – _____

भाषा की बात

क. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए-

1.	कल		कम	2.	बच्चा		बड़ी
3.	अच्छा		पुराना	4.	नज़दीक		गाँव
5.	बहुत		आज	6.	शहर		बूढ़ा
7.	नया		बुरा	8.	छोटी		दूर

ख. 'ता' जोड़कर नए शब्द बनाइए-

1. लघु + ता – लघुता
2. पकड़ + ता – _____
3. निडर + ता – _____
4. वीर + ता – _____
5. स्वच्छ + ता – _____

ग. शब्द सीढ़ी पूरी कीजिए-

सू		
र		
ज	हा	ज़

प		
ग		ला

जी		
न		ली

प		
त		या

कुछ नया कीजिए

मूल्यपरक प्रश्न

क. दादा-दादी को परिवार के बड़े बुजुर्ग और घर की नींव के रूप में माना जाता है। उन्हें कभी तंग या परेशान नहीं करना चाहिए। आप अपने दादा-दादी के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? आपको उनके साथ समय बिताना कैसा लगता है, बताइए।

पव जसफ्कब्_ र

(क) नीचे एक परिवार वृक्ष दिया गया है। इसे अपना परिवार वृक्ष बनाइए। वृक्ष पर अपने परिवार के सदस्यों के चित्र चिपकाइए उनसे आपका क्या संबंध है? यह भी लिखिए।

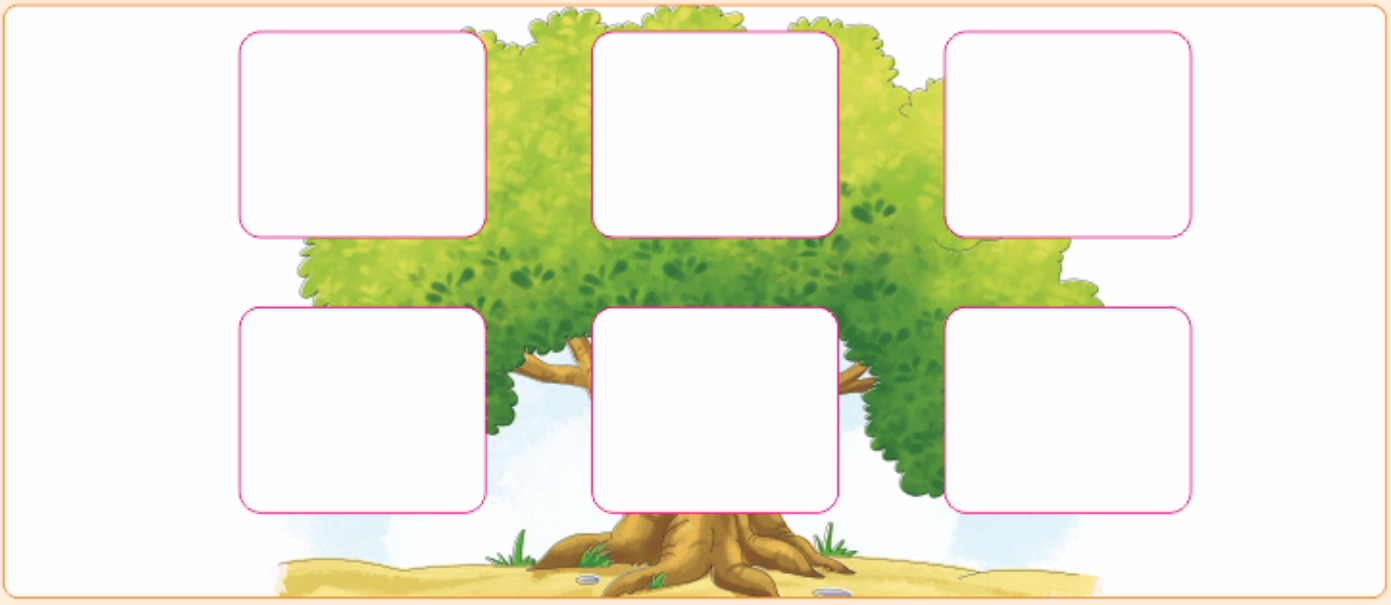

(ख) नीचे कुछ योग के आसनों का चित्र दिये गये हैं। इनके नाम एवं इनसे होने वाले लाभ अध्यापक/अध्यापिका की मदद से लिखें।

नाम _____

लाभ _____

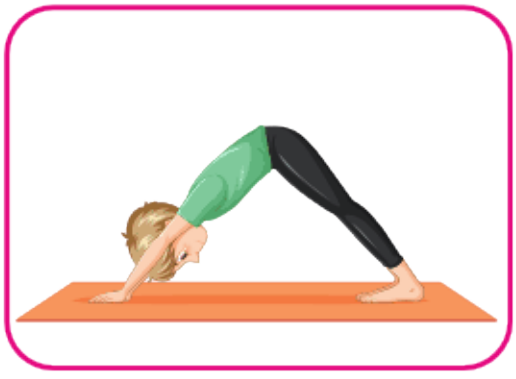

नाम _____

लाभ _____

नाम _____

लाभ _____

नाम _____

लाभ _____

अन्य गतिविधि

वाचन-कौशल

- योग से होने वाले लाभों पर अपने माता-पिता और मित्रों से चर्चा कीजिए।

पाठ 9

तितली और कली

कविता का उद्देश्य

तितली रानी सबको सुंदर लगती है। रंग-बिरंगे सुंदर पंख इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं। एक सुंदर-सी तितली और कली आपस में बातचीत कर रहे हैं कि चलो हम मिल-जुलकर खेलते हैं। खेलने की बात सुनकर कली हवा के साथ भागने लगती है और तितली उसे पकड़ने के लिए पीछे-पीछे भागती है।

जीवन मूल्य

जीवों और फूलों से प्रेम करना और उनके सौंदर्य को निहारना। फूल और तितली का आपसी तालमेल ईश्वर की ही देन है।

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शब्दार्थ

नन्ही	– छोटी	कली	– बिना खिला फूल	संग	– साथ में
महक	– खुशबू	छिटककर	– दूर हटकर	रंगीली	– बहुत सारे रंगों वाली

श्रुतलेख शिक्षक कविता में से पाँच शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. हरी डाल पर क्या लगा हुआ था?
2. तितली किससे आकर बोली?
3. किसकी महक सुंदर है?
4. हवा के साथ कौन भागने लगा?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. तितली कली के पास क्यों गई?

   _____

2. तितली ने कली से क्या कहा?

   _____

3. तितली और कली ने क्या खेल खेला?

   _____

4. तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

   _____

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

1. हरी डाल पर _____,
   _____ एक कली।
   तितली उससे _____,
   _____ बड़ी भली।
2. कली छिटककर _____,
   _____ सुनकर बात।
   साथ हवा के _____
   _____ उसे चली।

ग. सही विकल्प चुनकर ठीक (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. कली कहाँ लगी हुई थी?
   (i) हरी डाल पर ◯ (ii) फूलों के ऊपर ◯ (iii) बाग में पेड़ों पर ◯
2. तितली कली के पास कब गई होगी?
   (i) सुबह ◯ (ii) शाम ◯ (iii) रात ◯
3. फूलों से क्या महका?
   (i) गली गली ◯ (ii) सावन ◯ (iii) उपवन ◯
4. कली छिटककर किस तरह खिली?
   (i) गुलाबी ◯ (ii) सुंदर ◯ (iii) रंगीली ◯
5. तितली किसके इर्द-गिर्द मंडरा रही थी?
   (i) फूलों-कलियों के ◯ (ii) बाग के ◯ (iii) घास के ◯

शब्दों की दुनिया

क. पढ़िए और अंतर समझिए-

ड	डमरू	डंडा	अंडा	मँडराना
ढ	ढक्कन	ढपली	ढोलक	ढाल
ड़	लड़का	घड़ा	घड़ी	लड़ाई
ढ़	बढ़ा	पढ़ा	चढ़ा	सीढ़ी

विशेष- याद रखिए कि ड़-ढ़ किसी शब्द के शुरू में नहीं आते। ये वर्ण शब्दों के बीच में या अंत में आते हैं।

चार-चार शब्द ड, ढ, ड़ और ढ़ के लिखिए-

ड	ढ	ड़	ढ़
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

ख. पढ़िए, समझिए और लिखिए-

1. तितली फूलों पर _____ है। (मँडराता / मडँराती)
2. तितली फूलों का रस _____ है। (पीता / पीती)
3. कली डाली पर _____ हुई है। (लगी / लगा)
4. तितली सबको बहुत _____ है। (लुभाती / लुभाता)
5. वह किसी के हाथ नहीं _____ है। (आता / आती)

भाषा की बात

क. लिंग पहचानकर लिखिए-

1. शेर - _____
2. काका - _____
3. लड़का - _____
4. बैल - _____

5. माँ – _____ 6. सेठ – _____

7. घोड़ा – _____ 8. लड़की – _____

ख. शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए और लिखिए–

1. रही बारिश है हो — बारिश हो रही है।
2. रही तितली उड़ है एक — _____
3. उठीं खिल बगीचे कलियाँ में — _____
4. दौड़ है खरगोश रहा — _____
5. पढ़ती है सुमन पुस्तक — _____

ग. तालिका में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए और नीचे लिखिए–

सदाबहार का	पौधा	हरी	होते हैं।
सदाबहार के	पत्तियाँ	सुंदर	होता है।
सदाबहार की	फूल	छोटा	होती है।

_____

_____

_____

घ. ऐसी चीज़ों के नाम लिखिए जिनकी खुशबू आपको पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है–

अनुभव-आधारित

पसंद	नापसंद
_____	_____
_____	_____
_____	_____

कुछ नया कीजिए

कल्पना की उड़ान

क. किसी बगीचे में जाकर तितली के अलावा उड़ने वाले जीवों को देखिए। यदि तितली की भाँति आपको भी पंख मिल जाएँ तो आप क्या करेंगे? बताइए–

_____

_____

_____

कला-समेकन

फूलों के चित्र इकट्ठे कीजिए और उन्हें यहाँ चिपकाइए–

अन्य गतिविधि

वाचन-कौशल

- रंग-बिरंगी तितली के पंख बनाइए। पीठ पर पंख लगाकर हाव-भाव सहित कविता गाकर कक्षा में सुनाइए।

पाठ 10

मीठी बोली

पाठ का उद्देश्य

पाठ के माध्यम से मीठी बोली के गुणों को बताया गया है। जैसे शहद खाने से लोगों में ताज़गी आती है, उसी तरह मीठे बोल भी दूसरों को खुशी देते हैं। 'ध्वनि टकराकर वापस लौटती है' इस तथ्य द्वारा बच्चों को जागरूक किया गया है।

जीवन मूल्य

हमें हमेशा दूसरों से बात करते समय मीठा बोलना चाहिए। हम जैसा व्यवहार दूसरों के साथ करते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरे हमारे साथ करते हैं। मीठा बोलकर हम किसी दुश्मन को भी दोस्त बना सकते हैं।

मानसिंह नाम का एक गड़रिया था। उसके परिवार में बुजुर्ग पिता देवसिंह, पत्नी राधा और बेटा माधव रहते थे। मानसिंह प्रतिदिन भेड़ों को लेकर पास की पहाड़ी पर जाता और दिन-भर भेंड़ें चराने के बाद शाम को घर लौटकर आता था।

एक दिन मानसिंह को किसी काम से कुछ समय के लिए शहर जाना पड़ा। दादा जी ने उस दिन माधव को भेड़ें चराने के लिए भेजा। माधव भेड़ों को लेकर पहाड़ी पर चला गया। भेड़ें हरी-भरी घास चरने लगीं और माधव चैन से पहाड़ी के ऊँचे स्थान पर जा बैठा।

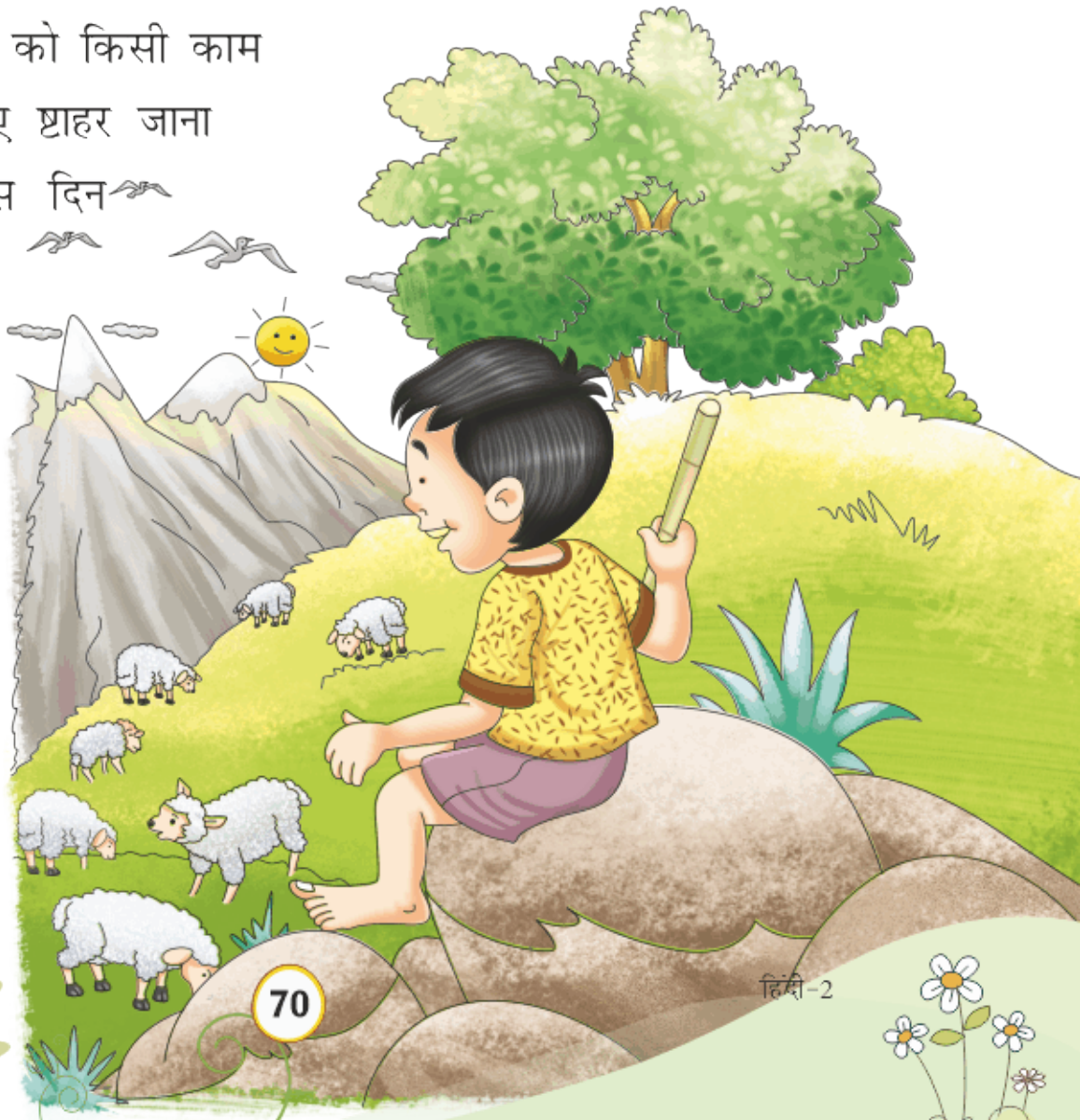

पहाड़ी पर बैठे-बैठे माधव

गुनगुनाने लगा, ''हो-हो, हा-हा-हा।'' पहाड़ी से टकराकर उसके गाने की ध्वनि वैसी ही वापस आई। यह बात माधव के लिए अजीब थी। उसे लगा कि पहाड़ी पर कोई बालक उसकी नकल उतार कर उसे चिढ़ा रहा है। यह सोचकर वह गुस्से से चिल्लाया, ''बेवकूफ कहीं का!''

माधव हैरान हो गया, क्योंकि उसके कानों में फिर घनघनाती आवाज़ गूँजी, ''बेवकूफ कहीं का!''

माधव को विश्वास हो गया कि अवश्य ही कोई बालक उसे चिढ़ा रहा है। वह भोला था इसलिए इस बात को समझ नहीं पाया कि उसकी ही आवाज़ पहाड़ी से टकराकर वापस आ रही है। इसलिए इस बार तो उसने चिल्लाकर कुछ अपशब्द कहे, वे फिर वैसे ही उसे सुनाई दिए। गुस्से में वह घर लौट आया।

माधव ने दादाजी को पहाड़ी के उस बालक के बारे में बताया और कहा, ''अब मैं भेड़ें चराने नहीं जाऊँगा।''

यह बात सुनकर दादाजी मुसकराए। उन्होंने माधव को समझाया, ''मेरे प्यारे भोले-भाले बच्चे, उस पहाड़ी पर कोई बालक नहीं है। तुम जो कहते थे उसकी गूँज घाटी में उठती थी, वह तुम्हें आकर दोबारा सुनाई देती थी। तुमने जो-जो शब्द कहे, वे तुम्हें जवाब के रूप में सुनाई दिए। हमेशा याद रखो, जैसा तुम दूसरों से बोलोगे, दूसरे

लोग भी तुमसे वैसे ही बोलेंगे। इसलिए हमेशा मीठा बोलो। तब तुम देखोगे कि दूसरे लोग भी तुमसे मीठा ही बोलेंगे। और अगर बुरा बोलोगे तो सभी तुम्हारे दुश्मन बन जाएँगे। इसीलिए कहा गया है कि मधुर बोलों से ही अमृत बरसता है।

जरूरी बात– हमें हमेशा दूसरों से बात करते समय मीठा बोलना चाहिए। ठीक ही कहा गया है–
ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोए। औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय।।

शब्दार्थ

चैन – आराम
ध्वनि – आवाज़
वापस-आना – लौटना
बुजुर्ग – बूढ़े
गड़रिया – भेड़-बकरियाँ चराने वाला
घनघनाना – गूँजना
अपशब्द – बुरे शब्द जैसे–गाली
घाटी – दो पहाड़ों के बीच की जगह

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से दस शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मानसिंह कौन था?
2. मानसिंह को कहाँ जाना पड़ा?
3. पहाड़ों में गूँजकर आने वाली आवाज़ के बारे में माधव ने क्या समझा?

लिखित प्रश्न

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. माधव कौन था?

_____

2. मानसिंह के परिवार में कौन-कौन रहता था?

_____

3. पहाड़ों पर पहुँचकर माधव ने क्या किया?

_____

4. माधव क्या नहीं समझ पा रहा था?

_____

5. माधव के दादा जी ने उसे क्या समझाया?

_____

6. हमें दूसरों के साथ कैसे बोलना चाहिए?

_____

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. मानसिंह नाम का एक _____ था।
2. माधव भेड़ों को लेकर _____ पर चला गया।
3. पहाड़ी पर बैठे-बैठे माधव _____ लगा।
4. इस बार उसने चिल्लाकर _____ कहे।
5. पहाड़ी से टकराकर उसके गाने की _____ वैसी ही वापस आई।

पहाड़ी
गड़रिया
ध्वनि
गुनगुनाने
अपशब्द

शब्दों की दुनिया

क. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो नाम लिखिए-

1. बेटा — पुत्र — सुत
2. पत्नी _____ _____
3. आवाज़ _____ _____
4. सुबह _____ _____
5. मीठा _____ _____

ख. शुद्ध शब्द पर गोला लगाइए-

1.	परीवार	परिवार	2.	बजुरग	बुजुर्ग
3.	धवनी	ध्वनि	4.	गूँज	गूॅज
5.	हमेशा	हमेसा	6.	पहारी	पहाड़ी
7.	सब्द	शब्द	8.	बेवकूफ	वेवाकूफ
9.	अप्सशब्द	अपशब्द	10.	अमरत	अमृत

भाषा की बात

क. क्रिया शब्दों पर गोला लगाइए-

1.	चलना	हँसना	सुंदर	बलवान	खेलना	बनाना
2.	उठना	स्वादिष्ट	हल्का	दौड़ना	उगना	नमस्कार
3.	खिलना	मोटा	गिरना	सफेद	उपवन	कूदना

ख. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. परिवार _____
2. चैन से _____
3. ध्वनि _____
4. बुजुर्ग _____

कुछ नया कीजिए

क. क्या आपको यह सब याद है? यदि हाँ, तो लिखिए और अपनी फोटो भी चिपकाइए–

आपका नाम _____

आपके घर का पता _____

_____

_____

स्कूल का पता _____

_____

पिता जी का फोन नंबर _____

माता जी का फोन नंबर _____

आपकी उम्र और नाम उम्र _____ नाम _____

आपके बहन / भाई _____

फोटो

- **मीठी वाणी (बोली) और कड़वी बोली बोलने वाले दो पक्षी कौन से हैं? सोचो– चित्र चिपकाओ, नाम लिखो व गुण बताओ–**

चिंतन-कौशल

नाम – _____

गुण – _____

नाम – _____

गुण – _____

मनोरंजन और खेल

बच्चो, आप सभी छात्र-छात्राएँ मिलकर 'उड़ा-उड़ी' का खेल खेलिए। सभी अपनी एक-एक उँगली ज़मीन पर रखें। कोई एक छात्र/छात्रा पशु-पक्षियों के नाम बोले। पक्षी का नाम आने पर 'उड़ा' या 'उड़ी' बोलिए और उँगली ऊपर उठाइए। जो छात्र/छात्रा न उड़ने वाले जीव के नाम पर उँगली उठाएगा, वह खेल से बाहर हो जाएगा।

अन्य गतिविधि

वाचन-कौशल

कविता को बोल-बोलकर पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

मीठी बोली

सबके साथ सदा जो रहती,
नहीं किसी से कुछ भी कहती।
सदा बाँटने से जो बढ़ती,
बड़ी अनोखी मीठी बोली।

वाद-विवाद दूर कराती,
दुश्मन को भी मीत बनाती,
सबसे जो पहचान कराती,
बड़ी लाभप्रद मीठी बोली।

पाठ 11

दाँतों की स्वच्छता

पाठ का उद्देश्य

व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के लिए शुद्ध जल, शुद्ध वायु, संतुलित आहार के साथ-साथ शारीरिक स्वच्छता पर नियमित रूप से ध्यान देना अति आवश्यक है। शरीर की बाहरी स्वच्छता में त्वचा, आँख, नाक, कान, दाँत, आदि की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

जीवन मूल्य

शरीर की स्वच्छता और दाँतों की देखभाल के लिए सुनिश्चित करें कि आप प्रतिदिन दो बार दाँतों को ब्रश करेंगे और शरीर को स्वस्थ रखेंगे।

हेमंत स्कूल से जब घर वापस लौटकर आया तो माँ को देखते ही सिसक-सिसककर रोने लगा। माँ ने पूछा, "हेमंत क्या हुआ? किसी से झगड़ा करके आया है क्या?"

"नहीं माँ! मेरे दाँत में बहुत दर्द हो रहा है।"

"अरे! इधर आओ बेटा, मैं देखूँ तो ज़रा।" माँ ने हेमंत को पुचकारकर कहा। हेमंत ने अपनी माँ को दाँत दिखाए।" अरे! तुम्हारे दाँत तो बहुत गंदे हो रहे हैं। तुम न तो माँ का कहना मानते हो, न ही दाँतों को ठीक तरह से साफ़ करते हो।" अब ज़रा रुक मैं डॉक्टर से फोन पर आपॅइंटमेंट ले लूँ। तब तक तुम स्कूल ड्रैस बदल लो।

माँ हेमंत को डॉक्टर के पास लेकर गई।

डॉक्टर ने हेमंत के दाँत देखकर बताया कि इसके दाँतों में कीड़े लग रहे हैं।

डॉक्टर ने दाँतों की सफाई कर दी और हेमंत को समझाते हुए कहा-"हेमंत! शायद तुम दाँतों की सफ़ाई ठीक ढंग से नहीं करते हो और चॉकलेट, टॉफी, मीठी चीज़ें भी खूब खाते हो इसलिए तुम्हारे दाँतों की यह हालत हो गई है। तुम्हारे दाँतों में कीड़े के साथ-साथ पस भी भर गया है, जिससे तुम्हारे दाँतों मे दर्द ज़्यादा हो रहा है। तुम्हें दाँतों की सफ़ाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रतिदिन सोकर उठने के बाद तथा रात को सोने से पहले मंजन या ब्रश करना चाहिए। इससे दाँतों का मैल दूर हो जाता है और दाँत स्वस्थ रहते हैं। यदि ठीक से मंजन (टूथ-पेस्ट) न किया जाए तो इसी तरह दाँतों में कीड़े लग जाते हैं और दर्द होने लगता है। दाँत ही नहीं, तुम्हें अपने शरीर की सफ़ाई का भी ठीक से ध्यान रखना चाहिए। तुम्हें प्रतिदिन नहाना चाहिए, साफ़ कपड़े पहनने चाहिए, नाखूनों को काटते रहना चाहिए, यदि तुम इन सभी बातों का ध्यान रखोगे तो कभी बीमार नहीं पड़ोगे।"

हेमंत बोला, "ठीक है डॉक्टर अंकल! अब मैं इन सभी बातों का हमेशा ध्यान रखूँगा।"

जरूरी सीख- स्वस्थ दाँत बच्चे के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

शब्दार्थ

सिसकना – भीतर ही भीतर रोना
झगड़ा – लड़ाई
पुचकारना – दुलार करना
अपॉइंटमेंट – पूर्वनियोजित भेंट
ड्रेस – वर्दी
प्रतिदिन – हर रोज़
हालत – दशा
मैल – गंदगी

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से आठ शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. हेंमत कहाँ से आया था?
2. हेमंत को क्या हुआ था?
3. माँ ने डॉक्टर से क्या लिया?
4. हेमंत के दाँतों में क्या लग गया था?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. स्कूल से लौटकर कौन रो रहा था?

_____

2. माँ ने हेमंत से क्या कहा?

_____

3. अधिक चॉकलेट, टॉफी, मीठे पदार्थ खाने से क्या होता है?

_____

4. ब्रश कब-कब करना चाहिए?

_____

5. अपने आपको स्वस्थ और स्वच्छ रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

_____

6. हेमंत ने डॉक्टर अंकल से क्या कहा?

_____

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. हेमंत माँ को देखते ही _____ रोने लगा।
2. हेमंत को माँ ने _____ कहा।
3. डॉक्टर ने _____ की सफ़ाई कर दी।
4. अधिक, चॉकलेट, टॉफी, मीठी चीज़ें खाने से _____ सड़ जाते हैं।
5. सोकर उठने के बाद और रात में सोने से पहले _____ करना चाहिए।

ग. सही मिलान कीजिए-

1. हेमंत सिसक-सिसककर	(i) डॉक्टर के पास ले गई।
2. माँ मेरे दाँत में	(ii) दाँत सड़ जाते हैं।
3. माँ हेमंत को	(iii) इसके दाँतों में कीड़े लग गए हैं।
4. अधिक चॉकलेट, टॉफी खाने से	(iv) बहुत तेज़ दर्द हो रहा है।
5. डॉक्टर ने बताया	(v) रो रहा था।

घ. सही विकल्प चुनकर सही (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. हेमंत स्कूल से कहाँ पहुँचा?

(i) घर ◯ (ii) बाज़ार ◯ (iii) पिता जी के पास ◯

2. हेमंत कैसे रो रहा था?

(i) हिल-हिलकर ◯ (ii) सिसक-सिसककर ◯ (iii) सुबक-सुबककर ◯

3. माँ ने हेमंत से क्या बदलने के लिए कहा?

(i) परदे (ii) जूते (iii) ड्रेस

शब्दों की दुनिया

क. उल्टे अर्थ वाले शब्दों पर सही (✓) का निशान लगाइए–

1. साफ – अच्छा बढ़िया गंदा
2. ठीक – सही गलत सुंदर
3. सोना – नींद गहरा जागना
4. चलना – रुकना भागना दौड़ना

ख. पाठ में आए अंग्रेज़ी शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

विषय-एकीकरण विदेशी शब्द

1. स्कूल _____ _____
2. डॉक्टर _____ _____
3. ब्रश _____ _____
4. अंकल _____ _____

ग. जो शब्द स्त्री के लिए हैं वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं और जो पुरुष के लिए हैं, वे पुल्लिंग कहलाते हैं।

नीचे लिखे रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य में लिखिए–

1. मेरी माता जी घर आ गई। मेरे पिताजी घर आ गए।
2. मेरी बहन घर की ओर गई। मेरा _____ घर की ओर गया।
3. दादा जी ने काम करवा दिया। _____ ने काम करवा दिया।
4. नाना जी अभी–अभी आए हैं। _____ अभी–अभी आई हैं।
5. चाची जी बाहर खड़ी हैं। _____ बाहर खड़े हैं।

भाषा की बात

क. 'कर' जोड़कर नए शब्द बनाइए–

1. देख + कर = देखकर
2. पढ़ + कर = _____
3. खेल + कर = _____
4. नाच + कर = _____
5. नहा + कर = _____

ख. विलोम शब्द लिखिए–

1. दुख – सुख
2. अपना – _____
3. इधर – _____
4. साफ – _____
5. छोटा – _____
6. रात – _____
7. स्वस्थ – _____
8. ज़्यादा – _____

कुछ नया कीजिए

अनुभव आधारित

क. बच्चो, आप के दाँत में कभी दर्द हुआ है? दाँतों की देखभाल के विषय में पाँच वाक्य लिखिए। (अध्यापक अथवा माता–पिता की सहायता लीजिए।)

_____

_____

_____

_____

_____

_____

रचनात्मकता

- **प्राथमिक चिकित्सा पेटी** – इस पेटी में रखे दस सामान के नामों के विषय में लिखिए–

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

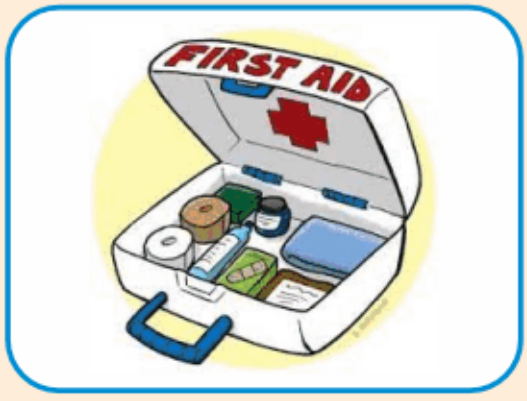

जूते के खाली डिब्बे को सजाकर प्राथमिक चिकित्सा का डिब्बा तैयार कीजिए। उसमें कुछ आवश्यक दवाइयाँ भी रखिए।

अन्य गतिविधि

गाओ और गुनगुनाओ

- दाँतों की नित करो सफाई, चमके जैसे दूध मलाई।
  गन्ना, गाजर, मूली खाना, दाँतों को मजबूत बनाना।
  'खाना' खाना, कुल्ला करना, बदबू को तुम दूर भगाना।
  'मोती' से जगमग दाँतों से, हर पल हँसना और मुसकाना।।
- **नीचे दिए गए खाने में चित्र चिपकाइए–**

ब्रश	पेस्ट	माउथ वॉश

पाठ 12

दो बिल्लियाँ

एकांकी का उद्देश्य

बच्चों को समझाना कि- लड़ाई-झगड़े से किसी का भी भला नहीं होता। लड़ने वाले दोनों ही तरफ के लोगों को हानि होती है। किसी की कम और किसी की ज्यादा हानि होती है।

जीवन मूल्य

अगर दुनिया में लड़ने-झगड़ने का नाम ही न रहे तो हमारे चारों तरफ खुशी का ही माहौल होगा। हमें कभी आपस में नहीं लड़ना चाहिए। दो लोगों की लड़ाई का फायदा कोई तीसरा उठा लेता है।

पात्रों की संख्या - (3) एक काली बिल्ली, एक सफ़ेद बिल्ली, एक बंदर एक रोटी, एक तराजू

प्रथम दृश्य

(एक रसोईघर- रसोई में मेज़ पर रोटी रखी है। म्याऊँ-म्याऊँ करती दाहिनी तरफ़ से काली बिल्ली और बाईं तरफ़ से सफ़ेद बिल्ली का प्रवेश।)

काली बिल्ली - बिल्ली बहन, नमस्ते!

सफ़ेद बिल्ली - नमस्ते बहन, नमस्ते!

काली बिल्ली - अच्छी तो हो?

सफ़ेद बिल्ली - अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ।

काली बिल्ली - मैं भी भूखी हूँ।

सफ़ेद बिल्ली - खाने को कुछ ढूँढ़ रही हूँ।

काली बिल्ली - उसी खोज में मैं भी निकली।

सफ़ेद बिल्ली - मुझे महक रोटी की आती।

काली बिल्ली – हाँ, मेरी भी नाक बताती, पास कहीं है रोटी।

सफ़ेद बिल्ली – रखी मेज़ पर है वो रोटी।

लपकूँ? कोई आ न जाए.....

काली बिल्ली – तू डर, मैं तो लेने चली....

(काली बिल्ली लपकती है और रोटी लेकर भागती है।)

सफ़ेद बिल्ली – ठहर! कहाँ भागी जाती है, रोटी लेकर मेरी।

काली बिल्ली – रोटी तेरी! कैसे तेरी? रोटी मेरी।

सफ़ेद बिल्ली – मैं न दिखाती तो तू जाती?

काली बिल्ली – अच्छा, क्या मैं खुद न देखती? क्या मेरी दो आँखें नहीं हैं? डरती थी उस तक जाने में। जा डरपोक कहीं की, जा भाग, रोटी मेरी।

सफ़ेद बिल्ली – रोटी, कहे दे रही, मेरी। मैं ले जाने तुझे न दूँगी।

काली बिल्ली – देख, राह से मेरी हट जा। ले जाऊँगी, तुझे न दूँगी।

सफ़ेद बिल्ली – देखूँ, कैसे ले जाती है। जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर।

काली बिल्ली – पहले दौड़े, दौड़ के ले। पहले उसका हक रोटी पर।

सफ़ेद बिल्ली – मैं कहती हूँ, रोटी मेरी।

(दोनों झगड़ती हैं। रोटी मेरी-रोटी मेरी, कहकर एक-दूसरे पर गुर्राती हैं।)

बंदर का प्रवेश (दूसरा दृश्य)

बंदर – क्यों तुम दोनों झगड़ रही हो?

(सफ़ेद बिल्ली से) तुम कहती हो रोटी मेरी।

(काली बिल्ली से) तुम कहती हो रोटी मेरी।

रोटी किसकी? मैं इसका फ़ैसला करूँगा।

चलो कचहरी, मेरे पीछे-पीछे आओ।

(बंदर दोनों से छीनकर रोटी अपने हाथ में लेकर चलता है, दोनों बिल्लियाँ पीछे-पीछे जाती हैं।)

(बंदर बाग में तराजू लेकर बैठा है। रोटी का टुकड़ा सामने रखा है। दोनों बिल्लियाँ इधर-उधर बैठी हैं।)

बंदर – (सफ़ेद बिल्ली से) बोलो, तुमको क्या कहना है?

सफ़ेद बिल्ली – श्रीमान्, पहले मैंने ही रोटी देखी थी इसलिए रोटी पर पूरा हक मेरा बनता है।

बंदर – (काली बिल्ली से) बोलो, तुमको क्या कहना है?

काली बिल्ली – श्रीमान् पहले मैं झपटी थी रोटी लेने इसलिए रोटी पर पूरा हक मेरा बनता है।

बंदर – (सफ़ेद बिल्ली से) एक आँख से देखी थी या दो आँखों से?

सफ़ेद बिल्ली – दो आँखों, दोनों आँखों से।

बंदर – (काली बिल्ली से) एक टाँग से झपटी थी या दोनों टाँगों से?

काली बिल्ली – दो टाँगों से, दोनों टाँगों से।

बंदर – तुम दोनों का था गवाह भी?

दोनों बिल्लियाँ – नहीं, कोई नहीं। नहीं, कोई नहीं।

बंदर – बात बराबर। बात बराबर। है मेरा फ़ैसला कि रोटी तोड़-तोड़कर तुम्हें बराबर दे दी जाए।

(बंदर रोटी को दो हिस्सों में तोड़कर तराजू के दोनों पलड़ों पर रखता है और तराजू उठाता है। एक पलड़ा नीचे रहता है, दूसरा ऊपर।)

बंदर – यह टुकड़ा कुछ भारी निकला।

इसमें से थोड़ा खा करके हलका कर दूँ। (खाता है।)

(फिर तराजू उठाता है। अब पहला पलड़ा नीचे हो जाता है, दूसरा ऊपर।)

बंदर – अब यह टुकड़ा भारी निकला। इसमें से थोड़ा खा करके हलका कर दूँ।

(फिर तराजू उठाता है अब पहला पलड़ा नीचे हो जाता है, दूसरा ऊपर।)

बंदर – अब यह टुकड़ा भारी निकला। इसमें से थोड़ा खा करके हलका कर दूँ।

(फिर तराजू उठाता है अब पहला पलड़ा नीचे हो जाता है, दूसरा ऊपर।)

बंदर – अब यह टुकड़ा भारी निकला। टुकड़े भी कितने खोटे हैं एक-दूसरे को छोटा दिखलाने में ही लगे हुए हैं। मुँह थक गया बराबर करते करते और तराजू उठा-उठाकर हाथ थक गया। (बिल्लियों को बंदर की चालाकी का पता चल जाता है।)

सफ़ेद बिल्ली – आप थक गए। अब न उठाएँ और तराजू।

काली बिल्ली – बचा-खुचा जो उसको दे दें, हम आपस में बाँट खाएँगी।

बंदर – नहीं, नहीं तुम फिर झगड़ोगी। मैं झगड़े की जड़ को ही काटे देता हूँ। बचा-खुचा भी खा लेता हूँ।

(इतना कहकर बची-खुची रोटी भी बंदर खा जाता है और तराजू लेकर भाग जाता है।)

दोनों बिल्लियाँ – आपस में झगड़ा कर बैठीं। बुद्धि अपनी खोटी। अब पछताने से क्या होता, बंदर हड़पा रोटी।

– हरिवंश राय 'बच्चन'

शब्दार्थ

प्रवेश	– अंदर आना, घुसना	खोज	– तलाश	कचहरी	– अदालत
फैसला	– निर्णय	महक	– खुशबू	राह	– रास्ता
हक	– अधिकार	गवाह	– जिसने घटना हुए देखा हो		
चालाकी	– होशियारी	खोटी	– खराब	हड़पा	– खा गया

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से आठ या दस शब्द बोलेंगे, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. इस एकांकी की रचना किसने की है?
2. इस एकांकी में कितनी और कैसी बिल्लियाँ है?
3. सबसे पहले रोटी की महक किसे आई?
4. दूसरे दृश्य में किस का प्रवेश दिखाया गया है?

लिखित प्रश्न

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- लेखन-कौशल

1. सबसे पहले रोटी किसने और कहाँ देखी?

_____

2. दोनों बिल्लियों का झगड़ा क्यों होता है?

_____

3. बंदर ने फैसला करने के लिए क्या किया?

_____

4. बंदर ने क्या चालाकी दिखाई और क्या फैसला सुनाया?

_____

5. अंत में रोटी किसे मिली?

_____

ख. कोष्ठक में दिए उचित शब्द को चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

1. कमरे में _____ पर रोटी रखी है। (मेज़ / कुर्सी)
2. उसी _____ में मैं भी निकली। (ताक / खोज)
3. काली बिल्ली _____ है और रोटी लेकर भागती है। (हँसती / लपकती)
4. देख _____ से मेरी हट जा। (राह / मेज़)
5. चलो _____, मेरे पीछे-पीछे आओ। (घर / कचहरी)

ग. सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. ''अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ।'' किसने कहा?

   (i) काली बिल्ली ने ◯ (ii) सफ़ेद बिल्ली ने ◯ (iii) बंदर ने ◯

2. ''रोटी तेरी! कैसे तेरी? रोटी मेरी।'' किसने कहा?

   (i) काली बिल्ली ने ◯ (ii) सफ़ेद बिल्ली ने ◯ (iii) बंदर ने ◯

3. ''क्यों तुम दोनों झगड़ रही हो?'' किसने कहा?

   (i) काली बिल्ली ने ◯ (ii) बंदर ने ◯ (iii) सफ़ेद बिल्ली ने ◯

4. बंदर दोनों बिल्लियों को कहाँ ले गया?

   (i) घर ◯ (ii) कचहरी ◯ (iii) शहर ◯

5. तराजू लेकर कौन भाग जाता है?

   (i) काली बिल्ली ◯ (ii) बंदर ◯ (iii) सफ़ेद बिल्ली ◯

शब्दों की दुनिया

क. इन शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

1. रोटी – रोटियाँ
2. मेज़ – _____
3. बिल्ली – _____
4. आँख – _____
5. टुकड़ा – _____
6. टाँग – _____
7. बहन – _____
8. पलड़ा – _____

ख. नीचे दिए गए शब्दों में जो पर्यायवाची शब्द नहीं है, उस पर गोला (○) लगाइए-

1.	रोटी	चपाती	फुलका	निर्वाह	अग्नि
2.	महक	सुगंध	स्वाद	खुशबू	सुवास
3.	आँखें	चक्षु	नयन	नदी	लोचन
4.	टुकड़ा	गोला	अंश	खंड	हिस्सा

भाषा की बात

क. विलोम शब्द लिखिए-

1. पास – दूर
2. काली – _____
3. यहाँ – _____
4. पहला – _____
5. जीत – _____
6. अच्छा – _____
7. सरल – _____
8. डर – _____
9. ऊँचा – _____
10. आगे – _____

ख. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए-

1. देखने वाले – दर्शक
2. पढ़ने वाले – _____
3. सुनने वाले – _____
4. साग-सब्ज़ी खाने वाले – _____

5. पढ़ाने वाली – _____

6. जो कभी न मरे – _____

7. सत्य बोलने वाला – _____

8. जिसके माता-पिता न हों – _____

ग. इन वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों पर गोला (○) लगाइए और रिक्त स्थानों पर लिखिए-

1. उसी खोज में (मैं) भी निकली। _____ मैं _____

2. हाँ, मेरी भी नाक बताती। _____

3. जो पहले देखे, हक उसका है रोटी पर। _____

4. बोलो, तुम्हें क्या कहना है। _____

5. आप थक गए हैं। _____

कुछ नया कीजिए

क. अपने अध्यापक द्वारा चित्रों के आधार पर कहानी को ध्यानपूर्वक सुनिए फिर कक्षा में सुनाइए-

श्रवण-कौशल

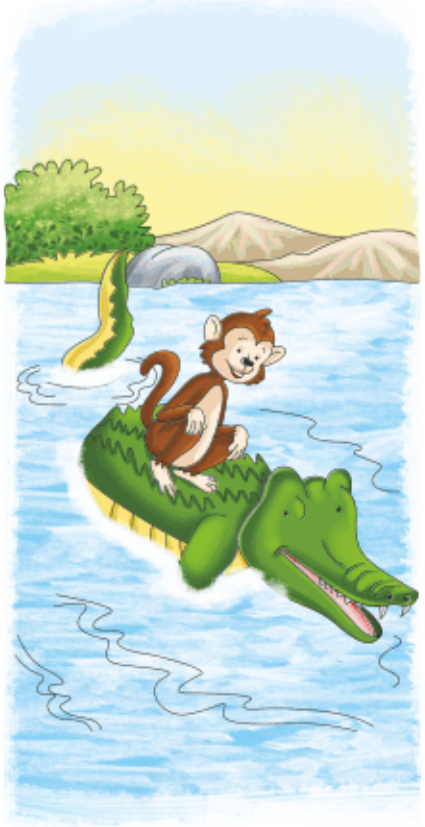

मनोरंजन और खेल

वाचन-कौशल

- सामने दिए गए खाने में टॉम और जेरी के चित्र चिपकाइए। आपने टेलीविज़न पर टॉम और जेरी की बहुत फिल्में देखी हैं। उनमें से एक कहानी सुनाइए।

अन्य गतिविधि

चिंतन-कौशल

- आपस में झगड़ना अच्छी बात नहीं। झगड़ने से कभी किसी का भला नहीं होता। अब आप बताइए अगर किसी से आपका झगड़ा हो जाए तो उस समय आप क्या करेंगे। (मूल्यपरक-प्रश्न)

कला समेकन

- **नीचे दिए गए चित्र को बिंदुओं की सहायता से पूरा कीजिए और रंग भरिए।**

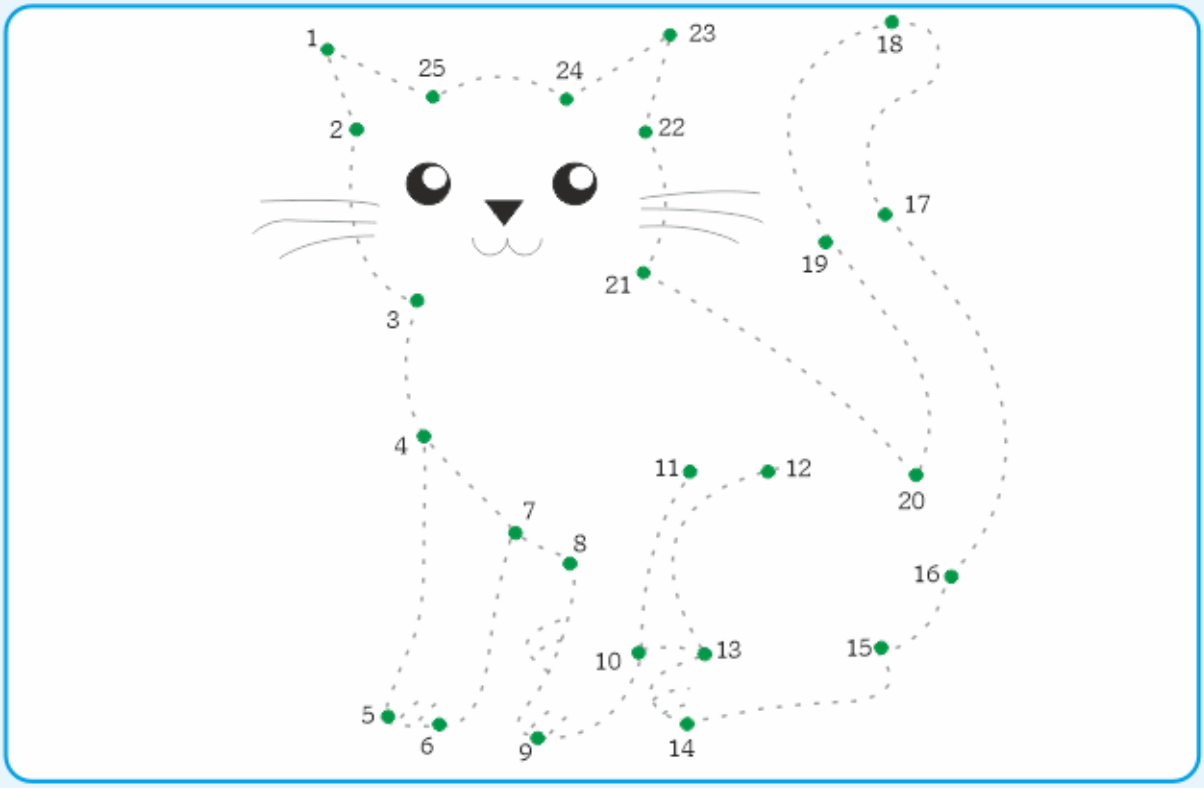

बंदर की गलती

एक समय की बात बताऊँ,
कई दिनों तक भूखा बंदर।

खाने को, कुछ पा जाने को,
घूम रहा था इधर–उधर।

दिया दिखाई उसको सूने
घर में रखा एक घड़ा।

और घड़ा भी भुने हुए
कुरमुरे चनों से भरा पड़ा।

दोनों हाथ साथ बंदर ने,
फ़ौरन दिए घड़े में डाल।

चने भरी मुट्ठियों को वह,
लेकिन पाया नहीं निकाल।

घड़ा बहुत छोटे मुँह का था
हाथ निकल न पाता था।

और लालची बंदरमल से,
चना न छोड़ा जाता था।

फिर-फिर कोशिश करते-करते,
बहुत लग गई उसको देर।

बस आ पहुँचे डंडा लेकर,
घर के मालिक राम सुमेर।

अब खुद सोच तुम्हीं सकते हो,
बंदर पर जो कुछ बीती।

बच्चो, तुम यह बतलाओ,
बंदर ने की क्या गलती?

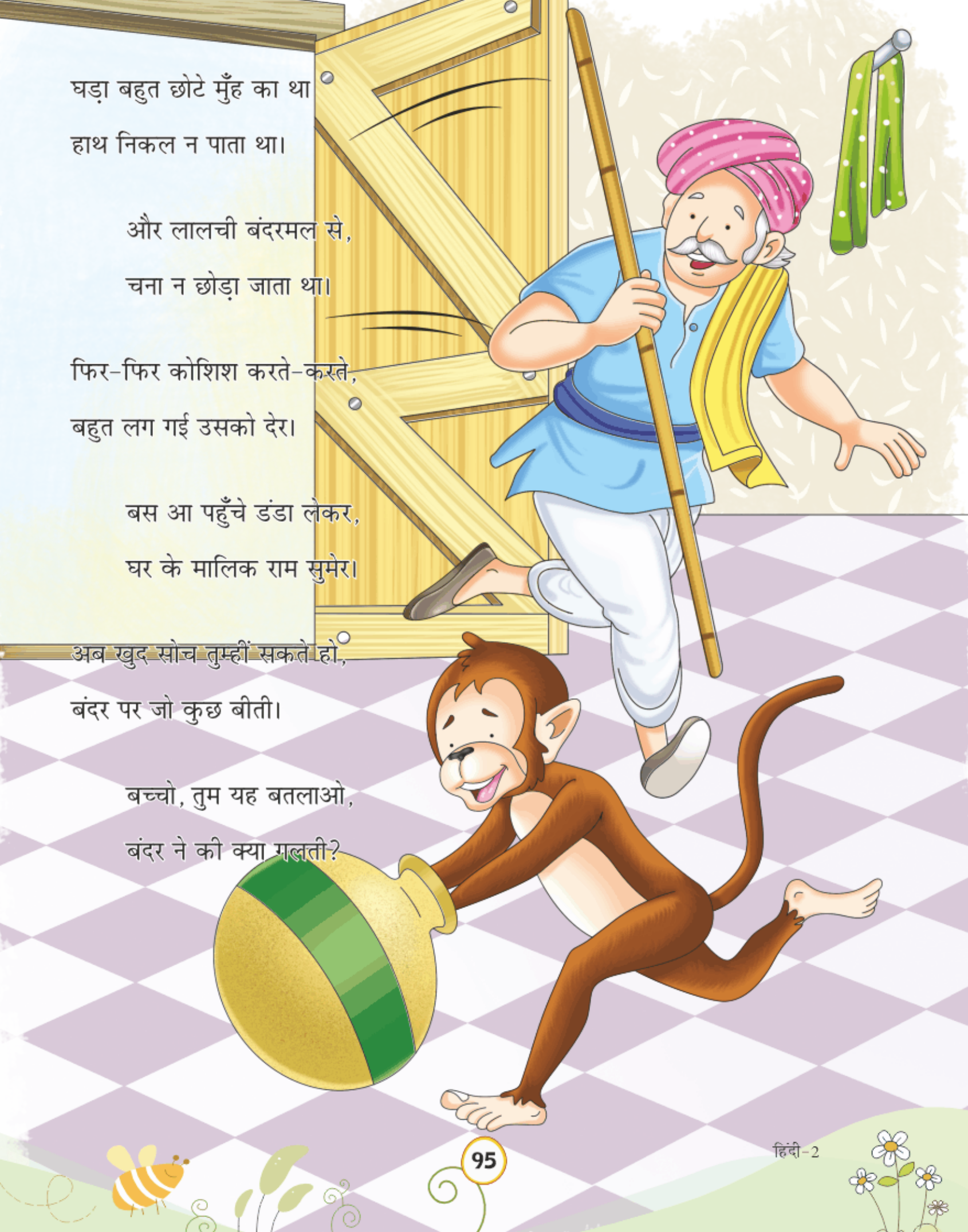

पाठ 13

आँख-मिचौनी

पाठ का सार

बच्चों का आपसी प्रेम और खेल का आनंद लेते हुए कब छोटा बच्चा जाकर सो जाता है, पता ही नहीं चलता। सब आँख-मिचौनी के खेल में मस्त हैं। जब छोटे बच्चे को ढूँढ़ा जाता है वह गद्दों में सोया हुआ मिलता है।

जीवन-मूल्य

मिलजुल कर खेल-मनोरंजन करना, आपसी प्रेम की ही निशानी है।

सूरज के घर आठ-दस बच्चे इकट्ठे हुए। छुट्टी का दिन था। सब खेल रहे थे। वहाँ नेहा, वरुण, नितिन, सूरज का दोस्त रोहित, इशान सभी थे। नेहा ने कहा, "सूरज हम आज आँख-मिचौनी खेलेंगे।"

सूरज ने पूछा, "आँख-मिचौनी क्या है?" नेहा बोली, "आँख-मिचौनी नहीं जानते हो? वही, छुप्पा-छुप्पी।" सब बच्चे खुश हो गए। खेल शुरू हुआ। पहले ढूँढ़ने की बारी नितिन की थी। सभी बच्चे छुप गए। नितिन ढूँढ़ता हुआ चारों तरफ़ गया। उसे सीढ़ियों के नीचे इशान की कमीज़ दिख गई। उसने इशान को छूकर कहा, "पकड़ लिया।"

अब इशान की बारी थी। इतने में सूरज का छोटा भाई

गौरव वहाँ आ गया। वह कहने लगा, "मैं आँक-मिच्ची केलूँगा।" वह बहुत छोटा था। इसलिए बड़े बच्चे उसे खिलाना नहीं चाहते थे। लेकिन वह ज़िद करने लगा, रोने लगा। बच्चों ने उसे शामिल कर लिया।

नेहा ने गौरव को अपने पास, अपने साथ छुपाया। लेकिन वह अंदर छुपकर बैठता ही नहीं था। बार-बार आ जाता और इस तरह नेहा को भी पकड़ा देता। अब वरुण ने गौरव को अपने पास बुला लिया।

थोड़ी देर बाद नेहा की बारी आई। सब बच्चे छुप गए। वरुण ने गौरव को भी अपने साथ छुपा लिया। उसने गौरव को अच्छी तरह पकड़ लिया जिससे वह बाहर न जाए। नेहा चारों तरफ़ घूमकर आई। उसे कोई दिखाई नहीं दिया। वह बोली, "तुम सब कहाँ

हो? वरुण कहाँ छुप गए हो? गौरव, तुम कहाँ हो'' गौरव अपनी जगह से बोला, ''मैं यहाँ हूँ।'' बोलने पर वह तुरंत पकड़ा गया।

बच्चों ने कहा, ''गौरव अब तुम्हारी बारी है। तुम हम लोगों को ढूँढ़ना। पहले आँख बंद कर लो, तब तक हम सब छुप जाएँगे। फिर हमें ढूँढ़ना।'' गौरव ने 'हाँ' कह दिया। सब बच्चे छुपने चले गए।

दो मिनट बीते, पाँच मिनट बीते, दस मिनट बीते। गौरव का कोई नामोनिशान नहीं। बच्चे बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। अब बाहर भी नहीं निकल सकते, क्योंकि पकड़े जाते। लेकिन बहुत देर हो गई तो एक ने पूछा, ''गौरव, किस को ढूँढ़ रहे हो?'' कोई जवाब नहीं आया। अब सब बच्चे एक-एक करके बाहर आए। गौरव गद्दे पर आराम से सो रहा था। उसके हाथ में कैंड़ी थी। बस, बच्चों को हँसी आ गई।

नेहा बोली, ''आज खेल खत्म। अब हम कल खेलेंगे। हाँ, कल मेरे घर पर खेलेंगे। नहीं तो गौरव फिर हमें छुपाकर सो जाएगा।'' सब बच्चे फिर हँस दिए।

शिक्षण संकेत– पाठ का आदर्श वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

आँख-मिचौनी – लुका छिपी
ज़िद – हठ
इंतजार – प्रतीक्षा
नामोनिशान – पहचान समाप्त कर देना
बेसब्री – जल्दी बाजी

श्रुतलेख शिक्षक पाठ में से आठ या दस शब्द बोलेंगी, विद्यार्थी उन्हें सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। श्रवण-कौशल

अभ्यास-कार्य

मौखिक प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. बच्चे किसके घर इकट्ठे हुए?
2. गौरव कैसे पकड़ा गया?
3. बच्चे क्या देखकर हँसे?

लिखित प्रश्न

लेखन-कौशल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. सूरज के घर कितने बच्चे इकट्ठे हुए थे?

_____

2. सारे बच्चे मिलकर कौन-सा खेल-खेल रहे थे?

_____

3. आँख-मिचौनी खेलने वाले बच्चों के नाम बताइए।

_____

4. आखिर में गौरव उन्हें कैसे मिला और वह क्या कर रहा था?

_____

5. बच्चों ने अंत में क्या मज़ाक बनाया?

_____

ख. किसने, किससे कहा? लिखिए-

		किससे कहा?	किसने कहा?
1.	हम आँख मिचौनी खेलेंगे।	_____	_____
2.	''आँख मिचौनी नहीं जानते हो?''	_____	_____
3.	''मैं आँक मिच्ची केलूँगा।''	_____	_____
4.	''तुम सब कहाँ हो?''	_____	_____
5.	''गौरव अब तुम्हारी बारी है।''	_____	_____

ग. सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए-

बहुविकल्पी-प्रश्न

1. बच्चे _____ का खेल-खेल रहे थे।

   (i) भागम-भाग ◯ (ii) आँख-मिचौनी ◯ (iii) खो-खो ◯

2. आँख-मिचौनी का दूसरा नाम क्या है?

   (i) छुप्पा-छिप्पी ◯ (ii) पकड़म-पकड़ाई ◯ (iii) पिट्ठू-गरम ◯

3. पहले ढूँढ़ने की बारी किसकी थी?

   (i) गौरव की ◯ (ii) सूरज की ◯ (iii) नितिन की ◯

4. कौन ज़िद करने लगा?

   (i) इशान ◯ (ii) गौरव ◯ (iii) वरुण ◯

शब्दों की दुनिया

क. पाठ में आए योजक चिह्न वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए-

आठ-दस _____

_____ _____

_____ _____

ख. एक के अनेक बनाइए–

1. छुट्टी – छुट्टियाँ
2. आँख – _____
3. बच्चा – _____
4. सीढ़ी – _____
5. कमीज़ – _____
6. गद्दा – _____
7. बेटी – _____
8. कुरसी – _____

ग. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. छुट्टी – _____
2. शामिल – _____
3. ज़िद – _____
4. बेसब्री – _____

भाषा की बात

लिखो और सीखो

क. पढ़िए, समझिए और दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरिए–

कुश्ती, बच्चा, हिम्मत, चुस्त

श् + त = श्त	च् + च = च्च	म् + म = म्म	स् + त = स्त
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

ख. जोड़े मिलाइए –

1.	बस्ता	चम्मच	4.	ताला	कुरसी
2.	स्कूल	किताबें	5.	मेज़	मक्खन
3.	कटोरी	कक्षा	6	ब्रैड	चाबी

कुछ नया कीजिए

खेल-खेल में

सूरज का भाई गौरव खो गया है। उसे ढूँढ़ने के लिए सूरज को इन तंग रास्तों से होकर जाना है। कृपया उसे ढूँढ़ने में मदद कीजिए–

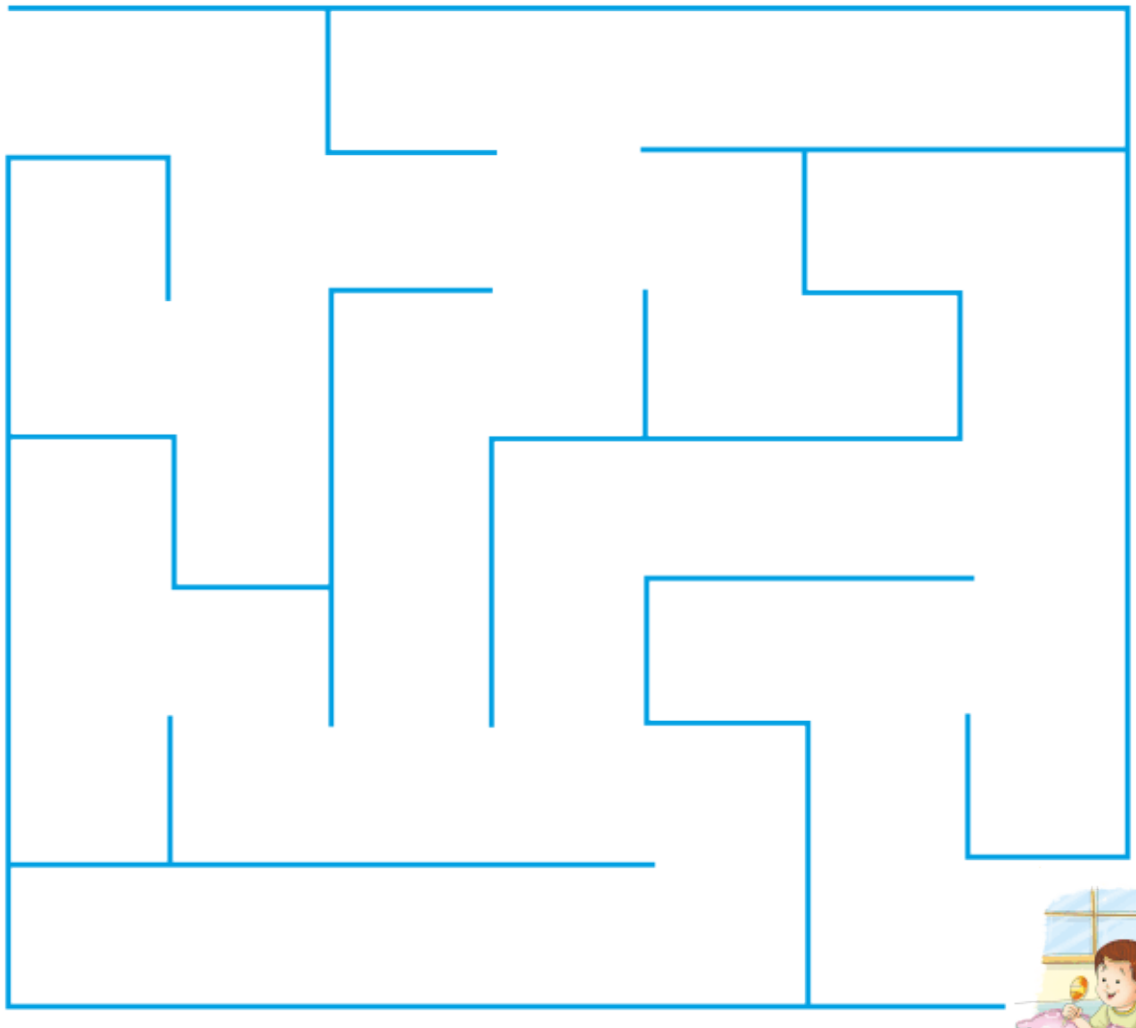

कला-समेकन

रंगीन कागज़ से मछली बनाएँ

1.

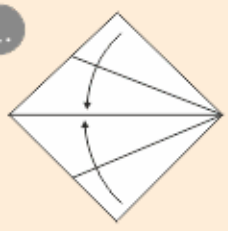

ऊपर तथा नीचे के कोनों को बीच वाली लाइन तक मोड़िए।

2.

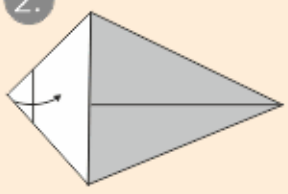

अब बाईं तरफ़ के छोर को अंदर मोड़िए।

3.

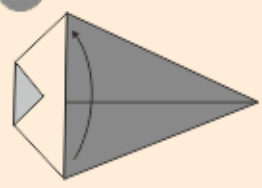

इस तरह आधा मोड़िए।

4.

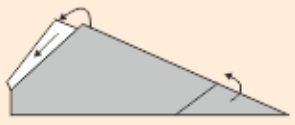

ऊपर के दोनों छोरों को अंदर की तरफ़ मोड़िए।

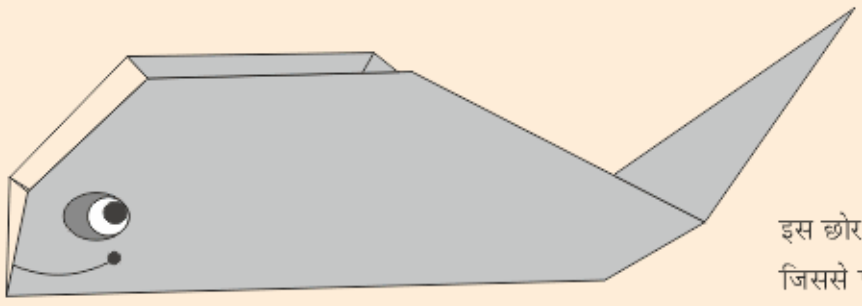

अब आपकी ह्वेल तैयार है।

अन्य गतिविधि

वाचन-कौशल

- बचपन में आपके द्वारा की गई अपनी किसी ऐसी शरारत के विषय में बताइए, जिसे करने पर आपको माँ से डाँट पड़ी हो।
- जब माँ हमारी शरारत पर डाँटती है, तो क्या वह हमसे दिल से नाराज़ होती है? अपने विचारों को तर्क देकर स्पष्ट कीजिए। (मूल्यपरक-प्रश्न)

रफ